mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-139 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

22 मई 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

शिखर धवन ने ...

@ पेज 7

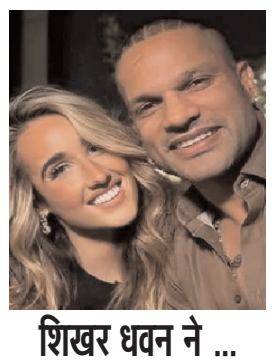

कैलाश मानसरोवर के लिए सेलेक्ट हुए 750 तीर्थयात्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैलाश मानसरोवर की यात्रा पांच सालों बाद फिर से शुरू हो रही है। भारतीय तीर्थयात्री इस साल जून से एक बार फिर कैलाश मानसरोवर की पवित्र यात्रा पर जा सकेंगे। चीन और भारत के बीच बनी सहमति के बाद

● जून से अगस्त के बीच कुल 15 जत्थे रवाना होंगे

बुधवार को विदेश मंत्रालय ने लॉटरी सिस्टम के माध्यम से 750 भाग्यशाली यात्रियों के नामों की घोषणा की। चयनित यात्रियों को स्स्र- और ईमेल के जरिए सूचना दी गई। कोविड-19 महामारी और भारत-चीन संबंधों में आए तनाव की वजह से 2019 से कैलाश मानसरोवर की यात्रा स्थगित थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जून से अगस्त के बीच कुल 15 जत्थे मानसरोवर यात्रा के लिए रवाना होंगे, जिनमें प्रत्येक जत्थे में 50-50 यात्री शामिल होंगे। इनमें से 50-50 के पांच यात्री जत्था लिपुलेख के रास्ते मानसरोवर जाएंगे, जबकि 50-50 यात्रियों के 10 जत्थे अलग-अलग समय नाथु ला रूट से रवाना होंगे। यह भी बताया गया है कि दोनों मार्ग काफी हद तक कार से जाने लायक बना दिए गए हैं, इसलिए यात्रियों को बहुत ही कम यात्रा पैदल करनी होगी। यात्री अपने चयन की स्थिति जानने के लिए यात्रा वेबसाइट- https://kmy.gov.in या हेल्पलाइन नंबर- 011-23088133 पर लॉग इन कर सकते हैं।

कैसे सेलेक्ट किए गए यात्रियों के नाम? एक कार्यक्रम में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्द्धन सिंह ने चयनित यात्रियों के नाम लॉटरी सिस्टम के जरिए निकाले। विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि यह लॉटरी प्रणाली पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित और पारदर्शी है। इस साल कुल 5561 यात्रियों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें 4024 पुरुष और 1537 महिलाएं शामिल थीं। इनमें से 750 यात्रियों का चयन किया गया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा, 2019 में कोविड महामारी और पूर्वी लद्दाख से सटे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना की घुसपैठ के बाद भारत-चीन संबंधों में आए तनाव के कारण बंद कर दी गई थी।

इस यात्रा को फिर से शुरू करने पर अक्टूबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात में सहमति बनी थी। तब दोनों नेताओं ने अप्रैल 2020 से उपजे तनाव को समाप्त करने पर सहमति जताई। इसके बाद, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक में कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अंतिम फैसला लिया गया था।

मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब चीन ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ के दौरान पाकिस्तान को समर्थन देने की बात कर चुका है। पाकिस्तान ने चीन से खरीदे गए हथियारों और मिसाइलों का इस्तेमाल भी किया। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वांग यी की पाकिस्तान के उपप्रधान मंत्री और विदेश मंत्री ईशाक दार के साथ बैठक हुई, जिसमें चीन ने पाकिस्तान की सेना को और अत्याधुनिक हथियार और अन्य सैन्य साजो-सामान देने का वादा किया है।

संक्षिप्त समाचार

आसिम मुनीर के फील्ड मार्शल बनते ही पाक सेना की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने हाल ही में अपने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया है, जिसे देश में सर्वोच्च पद माना जाता है। इस पदोन्नति के साथ, असीम मुनीर पाकिस्तानी इतिहास में फील्ड मार्शल का पद पाने वाले दूसरे सैन्य अधिकारी बन गए हैं। उनके प्रमोशन के बाद पाकिस्तानी सेना ने फिर से भारत को गीदड़भभकी दी है। सेना ने कहा है कि भारत आग से खेल रहा है, अगर जरूरत पड़ी तो भारत से युद्ध संभव है। पाकिस्तान के ष्ठत्रढ्ढस्क्र ने तो यहां तक कहा कि जरूरत पड़ी तो युद्ध संभव है और भारत से युद्ध के लिए हम हमेशा तैयार हैं। पाकिस्तान की शहबाज़ सरकार ने जनरल आसिम मुनीर को फ़ील्ड मार्शल बना दिया है। ये बड़ा फैसला किसी और ने नहीं खुद शहबाज सरकार की कैबिनेट ने तय कर इसका ऐलान किया है। मुनीर के फ़ील्ड

मार्शल बनने के बाद पाकिस्तान में डर और आश्चर्य का माहौल है। इमरान ख़ान की पार्टी पीटीआई इसका ज़बरदस्त विरोध कर रही है। पार्टी समर्थकों का कहना है कि मुनीर के फ़ील्ड मार्शल बनने से इमरान ख़ान कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। पाकिस्तान में कहा जा रहा है कि आर्मी की कुर्सी ना छोड़ने के लिए मुनीर ने फ़ील्ड मार्शल वाला दांव चला है क्योंकि फ़ील्ड मार्शल कभी रिटायर नहीं होते हैं। आसिम मुनीर के कंधे पर एक सितारा और बढ़ गया है और अब उनकी वर्दी में पांच सितारे लगे होंगे। लेकिन इसका पाकिस्तान में विरोध शुरु हो गया है। वकार मलिक ने कहा है कि डिक्टेटर साहब ने अपने आप को ही फील्ड मार्शल का पद खुद दे दिया है।

हमास के गिरेबान तक पहुंचा इजरायल

अल-बलाह (गाजा पट्टी) (एजेंसी)। इजरायली सेना अब हमास के गिरेबां तक पहुंच गई है। इजरायल के सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी के उत्तर में बचे-खुचे इंडोनेशियाई अस्पताल और अल-अवदा अस्पताल को भी घेर लिया है। इससे हमास के खेमे में हड़कंप है। इजरायल की सेना ने हमास को अब अपनी अंतिम सांसें गिनने पर मजबूर कर दिया है। इजरायल की इस सैन्य कार्रवाई के चलते इन अस्पतालों में अब किसी को प्रवेश करने या बाहर निकलने की अनुमति दी जा रही है। बता दें कि यह घेराबंदी उस समय की गई है जब इजरायल ने हमास के खिलाफ गाजा में अपने सैन्य

अभियान को नए सिरे से तेज किया है। इजरायली प्रशासन ने शुक्रवार को उत्तरी गाजा के बड़े हिस्से को खाली करने का आदेश जारी किया था, और मंगलवार को एक और निकासी आदेश जारी किया गया। हालांकि, इन अस्पतालों को विशेष रूप से खाली करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधनॉम घेब्रेयेसस ने चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र में इजरायली सैन्य कार्रवाइयों और निकासी आदेशों के कारण स्वास्थ्य प्रणाली पर अत्यधिक दबाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि अन्य दो अस्पताल और चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निकासी क्षेत्र से सिर्फ 1,000 मीटर की दूरी पर हैं। अल-अवदा अस्पताल के बोर्ड सदस्य रमी शुराफी ने कहा, ÷इजरायल इस क्षेत्र से जबरन विस्थापन करवाना चाहता है।÷ सोमवार से इस अस्पताल के परिसर और एम्बुलेंसों पर हमले शुरू हो गए हैं।

नीले रंग के सूटकेस में मिली युवती की लाश, हत्या कर ट्रेन से फेंकने की आशंका

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके चंदापुरा में रेलवे पुल के पास सूटकेस में एक युवती के शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवती की उम्र करीब 18 वर्ष बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या कहीं और की गई और फिर शव को सूटकेस में बंद कर चलती ट्रेन से यहां फेंका गया है।अज्ञात युवती का शव चंदापुरा रेलवे पुल के पास होसुर मेन रोड से सटी रेलवे पटरियों के किनारे नीले रंग के सूटकेस में मिला। सुबह के समय एक सूटकेस पड़ा हुआ मिलने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूर्यानगर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। बाद में, रेलवे पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बेंगलुरु ग्रामीण जिले के एसपी सी.के. बाबा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया, ÷मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि वारदात को कहीं और अंजाम दिया गया है और उसके बाद शव को सूटकेस में बंद कर ट्रेन से यहां फेंका गया है। पुलिस फिलहाल मृतका की पहचान करने में जुटी है। आस-पास के इलाकों में लापता व्यक्तियों की शिकायतों की भी जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के कारणों और समय का पता चल सके। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और सभी एंगल से मामले की जांच में जुट गई है। इसके अलावा, रेलवे ट्रैक के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज से भी सबूत जुटाने की कोशिश में पुलिस जुटी है।

भारत सरकार ने 24 घंटे की दी मोहलत

एक और पाकिस्तानी हाईकमीशन के अधिकारी को देश से निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने एक और पाकिस्तानी अधिकारी पर कार्रवाई की है और उसे देश छोड़ने को कहा है। भारत ने दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में काम करने वाले एक अधिकारी को अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। इससे पहले भी भारत सरकार ने दानिश नाम के अधिकारी को अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया था और उसे 24 घंटे के भीतर देश से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

हाईकमीशन प्रभारी को दिया नोटिस भी साथ ही स्स्र्व ने पाकिस्तानी हाईकमीशन के प्रभारी को ऐसे मामलों को लेकर एक एक डिमार्शे भी जारी किया है, जिसमें उन्हें इस बात को लेकर आगाह किया गया है कि भारत में अब कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी अपने विशेषाधिकारों का दुरुपयोग न करे।

MEA ने जारी प्रेस रिलीज में कहा कि भारत सरकार ने आज नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाईकमीशन में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को देश में अपने

आधिकारिक दर्जे के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त पाया, इस कारण उसे अब अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया है। भारत सरकार ने उस अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने को कहा है। साथ ही पाकिस्तान हाईकमीशन के प्रभारी डी'अफेयर्स को आज इस संबंध का एक डिमार्शे भी जारी किया गया। उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और दर्जे का दुरुपयोग न करे।

दानिश को निकाला जा चुका है बाहर इससे पहले भारत सरकार ने अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश को अवांछित व्यक्ति घोषित कर देश छोड़ने का कहा था। भारत सरकार ने दानिश को अपने पद और विशेषाधिकारों के विपरीत भारत में जासूसी करने के आरोप में बीते 13 मई को देश छोड़ने का आदेश दे दिया था।

लिव-इन में रह रही प्रेमिका ने प्रेमी सहित 6 को खिलाया जहर

चूरू (एजेंसी)। राजस्थान के चूरू जिले में साल 2022 में घटित एक सनसनीखेज हत्याकांड का फैसला सोमवार को जिला एवं सेशन न्यायालय ने सुनाया। यह मामला एक महिला द्वारा अपने लिव-इन पार्टनर और उसके सहयोगियों को तांत्रिक के साथ मिलकर जहरीला खाना खिलाने से जुड़ा है। कोर्ट ने मामले में दोषी पाए जाने पर महिला सुमन और तांत्रिक ओंकारलाल को आजीवन कारावास और 50-50 हजार रुपये के आर्थिक दंड से दंडित किया है। दरअसल, पूरा मामला 10 नवंबर 2022 की रात का है, जब चूरू के बिसाऊ रोड निवासी मनोज बेनीवाल, उसके कार्मिक बाबूलाल गुर्जर सहित छह लोगों को जहरीला खाना खिलाया गया। इस भोजन में जहरीली गोलियां और पाउडर मिलाया गया था, जो तांत्रिक ओंकारलाल ने महिला सुमन को दिया था। खाना खाने के बाद बाबूलाल की मौत हो गई थी, जबकि मनोज बेनीवाल सहित अन्य पांच लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। मनोज को जयपुर के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखना पड़ा था। जांच में सामने आया कि शादीशुदा महिला सुमन चूरू की पूनियां कॉलोनी निवासी मनोज बेनीवाल के साथ लिव-इन रिलेशन में रह रही थी। मनोज शादी, पार्टियों में ऊंटगाड़ी, घोड़ी व डीजे आदि किराए पर देने का काम करता था। सुमन की ओंकारलाल नामक तांत्रिक से नजदीकियां बढ़ गई थीं। ओंकारलाल से मनोज द्वारा उधार दिए गए पैसों की मांग की जा रही थी, जिससे वह परेशान था।

दिल्ली-एनसीआर में भीषण आंधी तूफान के साथ बारिश, गिरे ओले

मेट्रो ट्रैक को नुकसान, हवाई सेवा प्रभावित

हैदराबाद (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला है, धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई है जिससे भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 10 से धूल भरी आंधी का नजारा दिख रहा है। यूपी के कई जिलों में आंधी तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई है। दिल्ली के सफदरजंग में 79 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। वहीं पालम में भी हवाओं की रफ्तार 72 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए शाम 7.30 से 9.30 बजे तक रेड अलर्ट जारी किया है।

DMRC ने कहा कि अचानक आए तूफान के कारण कुछ स्थानों पर मेट्रो ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। शहीद नगर, जहांगीरपुरी और निजामुद्दीन स्टेशनों के पास क्रमशः रेड, येलो और पिंक लाइनों पर इन प्रभावित खंडों पर मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुई हैं। सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए ट्रैक पर गिरी वस्तुओं को हटाने का काम किया जा रहा है। वहीं दिल्ली में मौसम की स्थिति के कारण विभिन्न हवाई अड्डों से दिल्ली आने वाली कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रोक दी गई हैं या उनका मार्ग बदल दिया गया है।

गोवा में दिखा बारिश का कहर

तेज बहाव में शख्स स्कूटी संग नाले में गिरा

गोवा (एजेंसी)। गोवा में कल से ही बारिश हो रही है और उससे अभी राहत मिलने के भी आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अभी गोवा में भारी बारिश का अलर्ट है। इसी बीच कल मंगलवार को मूसलाधार बारिश हुई। आज भी मडगांव के कई इलाकों में बारिश होती रही। वहीं राजधानी पणजी सहित कई क्षेत्रों में बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव जैसी स्थिति बन गई है। इस वजह से वहां पर लोगों को ट्रैवल करने में काफी समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच एक हैरान कर देने वाली घटना भी सामने आई।

दरअसल तेज बारिश के कारण के राज्य में कई क्षेत्र पानी से भरे हुए हैं। वहां की सड़कें छोटी नदियों में तब्दील हो गए हैं और नाले भी ऊफान पर हैं। इसी बीच एक शख्स अपनी स्कूटी से कहीं जा रहा था मगर पानी के तेज बहाव के कारण उसका नियंत्रण बिगड़ गया और स्कूटी के साथ फिसलते हुए नाले में गिर गया। मगर राहत की बात यह है कि उस समय वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने उसे बाहर निकाल लिया। उसे गंभीर चोट नहीं आई और प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया।

आपको बता दें कि मौसम विभाग ने यह चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में और भी अधिक बारिश हो सकती है। इस चेतावनी के बाद प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वो घर से तब तक बाहर न निकलें, जब तक कोई बहुत जरूरी काम न हो। इतना ही नहीं लोगों को जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से भी बचने की अपील की गई है। वहीं नगर निगम और PWD जल निकासी के लिए कार्य कर रहे हैं।

गोवा में मानसून के शुरु होते ही कई क्षेत्रों में जलभराव होने और साथ में सड़क के धंसने की घटनाएं अब आम होती जा रही है। कुछ विशेषज्ञों का यह मानना है कि अगर इसे गंभीरता से नहीं लिया गया और बुनियादी ढांचों को मजबूत नहीं किया गया तो आगे चलकर ऐसी घटनाएं और भी बढ़ सकती हैं।

'सहायक कुलसचिव फरार' के लगाए गसे पोस्टर

एपीएसयू रीवा में अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध छात्रों का प्रदर्शन

रीवा (एजेंसी)। एपीएस विश्वविद्यालय में आज छात्र शक्ति का प्रदर्शन देखने को मिला, जब विंध्य के प्रभावशाली छात्रनेता अमन सिंह बघेल के नेतृत्व में लगभग 450 से अधिक छात्रों ने परीक्षा प्रबंधन की अव्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई। विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही से त्रस्त छात्रों के दृढ़ संकल्प के आगे अंततः विश्वविद्यालय प्रशासन को झुकना पड़ा। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा 10 जिलों के कॉलेजों से आए छात्रों का था, जिनके पूरक परीक्षा परिणाम अभी तक अपलोड नहीं किए गए थे।

अगली परीक्षाएं पूरक परीक्षा परिणाम जारी करने के पहले ही शुरू कर दी गई थीं। परीक्षा परिणाम जारी न होने के कारण छात्र परीक्षा फॉर्म नहीं भर पा रहे थे। परिणामस्वरूप, वे छात्र परीक्षा में बैठने से वंचित हो रहे थे। जब

विश्वविद्यालय अध्यक्ष अमन सिंह बघेल को इस समस्या की जानकारी मिली, तो वे तत्काल कार्रवाई में उतरे(वे तुरंत विश्वविद्यालय पहुंचे और सहायक कुलसचिव बाबूलाल साकेत से मिलने का प्रयास किया। समस्या से बचने के लिए सहायक कुलसचिव ने अपने कक्ष में ताला लगाकर भागने का प्रयास किया। इससे उग्र होकर, विश्वविद्यालय अध्यक्ष ने छात्रों के साथ कुलपति कार्यालय में प्रवेश किया। उन्होंने सहायक कुलसचिव फरार के पोस्टर लगाए। लगभग 4-5 घंटे तक शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहा। यह छात्रों की एकजुटता की जीत है, विश्वविद्यालय अध्यक्ष ने कहा। प्रशासनिक लापरवाही के कारण छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लगाया जा सकता। हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने निम्नलिखित प्रतिबद्धताएं व्यक्त की हैं। प्रभावित छात्रों के परिणाम अविलंब अपलोड किए जाएंगे। छात्रों को परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान किया जाएगा। भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में हजारों सिख युवाओं ने निकाली खालसा तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगवा पगड़ी पहने, हाथ में तिरंगा लिए और मोटरसाइकिलों पर सवार होकर दिल्ली में सिख समुदाय के हजारों लोगों ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के मद्देनजर भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में खालसा तिरंगा यात्रा निकाली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को तालकटोरा स्टेडियम से इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और देशभक्ति के नारे लगाते हुए अपनी यात्रा कर्तव्य पथ पर समाप्त की। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी इस रैली में शामिल थे, जो खुद तिरंगा पकड़े हुए बाइक चला रहे थे। उनके साथ उनके कैबिनेट सहयोगी आशीष सूद भी मौजूद थे।

अमानक स्तर का कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अमानक स्तर का विद्युतीय निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाएगी। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि कंपनी कार्य क्षेत्र में उपभोक्ता हित की योजनाओं के अंतर्गत विद्युतीय एवं निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा नियम एवं शर्तों के अनुसार यदि कोई कमी पाई जाती है तो कार्य करने वाली एजेंसी और ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु कंपनी द्वारा वृत्त स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया गया है। यदि स्क्रीनिंग कमेटी ठेकेदार अथवा एजेंसी को दोषी मानती है तो कंपनी ऐसे ठेकेदारो/ एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (संचा.-संधा./ शहर) द्वारा वृत्त स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन करके ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों के संबंध में अनियमितता की जांच की जाएगी। जांच में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर तुरंत 7 दिवस में गुणवत्ता सुधार का नोटिस दिया जाएगा। इसके बाद भी संबंधित ठेकेदार की कार्य प्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो वृत्त स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई कर क्षेत्र स्तरीय कमेटी द्वारा ब्लैक लिस्टिंग की कार्रवाई की जाएगी। महाप्रबंधक (संचा.-संधा./ शहर) द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी में 2 उप महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी तथा एक प्रबंधक स्तर का अधिकारी सदस्य होगा। स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले प्रकरणों में प्रणाली सुदृढ़ीकरण योजना, पूर्ण जमा योजना, सुपरविजन चार्ज योजना, सामान्य विकास योजना, पीव्हीटीजी, डीएजेजीयूए व अन्य योजना के ठेकेदारों के कार्य कमेटी के जांच के दायरे में आएंगे।

संत हिरदाराम नगर स्टेशन का काम जुलाई तक पूरा हो सकेगा, दो बार की डेडलाइन पूरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संत हिरदाराम नगर अमृत स्टेशन का काम जुलाई तक पूरा होने का दावा किया जा रहा है। स्टेशन पर एक और फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का काम शुरू नहीं हो सका है। पार्किंग का काम भी अधूरा पड़ा है। स्टेशन आवागमन के लिए सड़कों का निर्माण भी नहीं हो सका है। ऐसे हालात को देखते हुए संत हिरदाराम नगर स्टेशन की नए सिरे से शुरुआत अमृत स्टेशनों के अगले चरण में, यानी बारिश के बाद सितंबर या अक्टूबर में होने की संभावना है।

यात्रियों को उच्च दर्जे के वेटिंग हॉल, रिटायरिंग रूम के अलावा चौड़े एफओबी के साथ रेल यात्रा का सुखद अनुभव देने अमृत स्टेशनों का निर्माण चल रहा है। संत हिरदाराम नगर स्टेशन को अमृत स्टेशन के रूप में डेवलप करने की डेडलाइन दो बार, यानी 31 दिसंबर 2024 और उसके बाद 31 मार्च, खत्म हो चुकी है। दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन काम पूरा नहीं हो सका है।

प्रदेश में 18 नए वेलनेस सेंटर बनेंगे आयुर्वेद इलाज की सुविधा मिलेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश अब आयुर्वेद और पर्यटन का नया केंद्र बनने जा रहा है। पर्यटकों के लिए पंचकर्म और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। राज्य सरकार और पर्यटन विभाग मिलकर प्रदेश को आयुष डेस्टिनेशन के रूप में विकसित कर रहे हैं। इन केंद्रों में आयुष मंत्रालय से प्रमाणित सेवाएं मिलेंगी। फिलहाल भोपाल और नरसिंहपुर में 50-50 बिस्तरों वाले दो केंद्र संचालित हो रहे हैं। महेश्वर, सीहोर, इंदौर, अमरकंटक, पन्ना, बालाघाट और श्योपुर में 50 बिस्तरों वाले केंद्र निर्माणाधीन हैं। वर्ष 2025-26 तक खजुराहो और उज्जैन में भी ऐसे ही केंद्र शुरू होंगे। इसके अलावा पचमढ़ी, आगर मालवा, चंदेरी, मंदसौर, सिंगरौली, ओरछा, चित्रकूट, दतिया और ओंकारेश्वर में 10-10 बिस्तरों वाले केंद्र प्रस्तावित हैं। इन केंद्रों में आयुर्वेदिक चिकित्सक, प्रशिक्षित थैरेपिस्ट, योग और ध्यान केंद्र, हर्बल औषधियों से इलाज की सुविधा होगी।

अभियान की उपलधियां उत्कृष्ट टीम वर्क और प्लानिंग का नतीजा : राज्यपाल पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सौ दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के संचालन में, टी.बी. उन्मूलन प्रयासों को विस्तारित करने, समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से फूड बास्केट वितरण करने और 5 हजार से अधिक टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायतों की उपलब्धियों के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राज्य की उपलब्धियां उत्कृष्ट टीमवर्क और प्लानिंग का नतीजा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में उत्तम सुख निरोगी काया का भाव प्राचीन काल से ही विद्यमान रहा है। परिवारों में ऋतु आधारित आहार-विहार और संयमित जीवन शैली के विचार के व्यवहार में पालन की परिपाटी रही है।राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 100 दिवसीय नि:क्षय शिविर अभियान सम्मान समारोह और स्वस्थ यकृत मिशन का शुभारंभ राजभवन स्थित सांदीपनि सभागार में किया।राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. के उन्?मूलन के लिए संक्रमण नियंत्रण और सही तरीके से समय पर पूरी मात्रा में दवा लेने के संबंध में भी जन जागृति के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि टी.बी. की दवा को बीच में छोड़ने से रोगी दवाओं के प्रति

ड्रग रजिस्टेंट हो जाता है। इससे इलाज कठिन और संक्रमण फैलने की संभावना भी बढ़ जाती है। उन्होंने नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए स्वस्थ यकृत मिशन शुभारंभ के लिये सरकार की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में स्वस्थ लिवर की जांच के लिए बताए गए आसान तरीको से जांच करने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए कहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पतंजलि से लेकर घेरंड संहिता तक से हमें, काया को निरोगी बनाए रखने के सूत्र प्राप्त होते हैं। भारतीय ज्ञान ग्रंथ भी यही विचार देते हैं कि जैसे पका हुआ फल अपना जीवन पूर्ण करता है, वैसे ही व्यक्ति भी अपनी जीवन यात्रा पूर्ण करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यपाल श्री पटेल की प्रदेश वासियों के स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशीलता सराहनीय है। राज्य सरकार वर्ष 2028 तक प्रदेश को टी.बी. मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में प्रत्येक स्तर पर सघन प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सम्मानित टी.बी. चैंपियंस के प्रयासों और टी.बी. को हराने के उनके मन के संकल्प और प्रयासों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 72 वर्षीय पद्म भूषण डॉ. सरीन की नियमित दिनचर्या और प्रतिदिन व्यायाम करने की जानकारी देते हुए सभी को व्यायाम और नियमित दिनचर्या के लिए प्रेरित किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सौ दिवसीय निक्षय शिविर अभियान में केन्द्र सरकार द्वारा केवल मध्य प्रदेश का सम्मान किया गया है। उन्होंने टी.बी. उन्?मूलन प्रयासों के क्रियान्वयन में प्रदेश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि निरोगी काया अभियान के तहत 90 लाख लोगों की डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, फैटी लिवर सहित विभिन्न रोगों की जाँच की गई है।

जल संरक्षण और संवर्धन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता -मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने माही नदी के उद्गम स्थल धार जिले के ग्राम मिंडा में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश प्राचीनकाल से जल संरचनाओं का धनी रहा है और इसे नदियों का मायका कहा जाता है। यहां से निकलने वाली नदियाँ देश के बड़े भूभाग को जीवन देती हैं, इसलिए जल संरक्षण और संवर्धन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाने के लिए अभी से ठोस प्रयास करना जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से पौधों और वृक्षों के संरक्षण की

आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जल और हरियाली एक-दूसरे के पूरक हैं। जब हम पेड़ लगाएंगे और उन्हें संरक्षित करेंगे, तभी जल स्रोतों को भी जीवित रख सकेंगे। उन्होंने प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने, वर्षा जल संचयन की पद्धतियों को अपनाने और स्थानीय जल निकायों की स्वच्छता व देखरेख के लिए जनभागीदारी को ज़रूरी बताया। उन्होंने कहा कि गांवों में जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देना होगा, तभी इसका वास्तविक लाभ मिल सकेगा।

मंत्री श्री पटेल ने माही नदी के उद्गम स्थल स्थित माही माता मंदिर में पूजन-अर्चन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के 31 मई को भोपाल आगमन को लेकर तैयारियों संबंधी बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 31 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल जंबूरी मैदान में प्रस्तावित महिला सम्मेलन कार्यक्रम के सम्बन्ध में सभी जिला अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आगमन और कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर पूरी प्रतिबद्धता और समन्वय के साथ कार्य करें ताकि यह आयोजन सफलता के साथ सम्पन्न हो। कलेक्टर श्री सिंह ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री हरेंद्र नारायण सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती

इला तिवारी, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम, पुलिस प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, स्मार्ट सिटी प्रबंधन एवं अन्य विभागों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री जी के आगमन और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

उन्होंने एयरपोर्ट एवं आयोजन स्थल तक यातायात के सुचारू संचालन, पार्किंग आदि को उच्च स्तर पर बनाए रखने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश में पारेषण हानि अब तक के न्यूनतम स्तर पर-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश ने विद्युत पारेषण क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पारेषण हानि (ट्रांसमिशन लॉस) को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर तक लाने में सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि विद्युत कर्मियों की तकनीकी दक्षता, सतत निगरानी, उन्नत प्रबंधन प्रणाली और अत्याधुनिक तकनीकी उपायों के समन्वय से संभव हो सकी है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित 2.77 प्रतिशत लक्ष्य की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में पारेषण हानि को घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाया गया है। यह राज्य की विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पिछले दो वर्षों की तुलना में भी उल्लेखनीय सुधार है। वर्ष 2022-23 और 2023-24 में पारेषण हानि 2.61 प्रतिशत थी, जबकि वर्ष 2024-25 में इसमें 0.01 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज की गई है।किसी भी ट्रांसमिशन प्रणाली में पारेषण हानि के न्यूनतम स्तर पर होने से न केवल पर्यावरणीय प्रभाव कम होता है, बल्कि विद्युत उत्पादन की लागत भी घटती है। इसके अतिरिक्त, यह वोल्टेज स्तर समेत अन्य तकनीकी मानकों को स्थिर रखने में भी सहायता करता है। इससे समग्र बिजली प्रणाली अधिक विश्वसनीय बनती है। एम.पी. ट्रांसको द्वारा किए गए नवाचारों, स्कॉडा प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकी विधियों, विद्युत ग्रिडों की निरंतर निगरानी और समय-समय पर किए गए रख-रखाव के चलते यह सफलता संभव हो सकी है।

कंपनी विद्युत नेटवर्क के आधुनिकीकरण और क्षमतावर्धन की दिशा में लगातार प्रयासरत है। यह सफलता न केवल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर व निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

दसवीं और बारहवीं के लिए दूसरी परीक्षा जून में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) पहली बार 10वीं-12वीं की दूसरी परीक्षा जून में आयोजित करेगा। दूसरी ओर जो स्टूडेंट्स पहली परीक्षा के परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं, वे रीटोटलिंग के लिए आवेदन कर रहे हैं। लेकिन, अब तक यह तय नहीं हो सका है कि रीटोटलिंग का परिणाम दूसरी परीक्षा शुरू होने तक जारी हो सकेगा या नहीं। आमतौर पर यह जुलाई तक घोषित हो पाता है। खास बात यह है कि रीटोटलिंग में किसी परीक्षार्थी के नंबर बढ़ते हैं और वह दूसरी परीक्षा में भी शामिल होता है और इस परीक्षा में उसके नंबर कम आते हैं तो रीटोटलिंग वाले नंबर मार्कशीट में जोड़े जाएंगे। 12वीं में रेगुलर और प्राइवेट मिलाकर 2.21 लाख परीक्षार्थी फेल हुए हैं। 10वीं में फेल परीक्षार्थियों की संख्या पौने तीन लाख हैं। इस बार किसी भी परीक्षार्थी को सप्लीमेंट्री नहीं दी गई है।

बोर्ड परीक्षाओं में रीटोटलिंग के लिए हर साल 60 हजार से ज्यादा आवेदन किए जाते हैं। इसमें भी एक फीसदी के नंबर बढ़ते हैं। पिछले साल ही 12वीं में करीब 47 हजार और 10वीं में करीब 19 हजार आवेदन हुए थे। इनमें लगभग 700 परीक्षार्थियों के नंबर बढ़े थे। पिछले सालों में कई ऐसे मामले भी सामने आए जब रिटोटलिंग के दौरान कॉपी में ऐसे उत्तर भी मिले जिन्हें जांचा ही नहीं गया था।

प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में बनेंगे 10 लाख आवास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 सबके लिये आवास मिशन शुरू किया जा चुका है। यह मिशन वर्ष 2029 तक 5 वर्ष की अवधि के लिये क्रियान्वित किया जायेगा। देश भर में एक करोड़ और मध्यप्रदेश में 10 लाख नवीन आवासों के निर्माण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। योजना का उद्देश्य सभी पात्र शहरी गरीब एवं आवासहीन परिवारों को सुरक्षित स्थायी और किफायती आवास उपलब्ध कराना है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-1.0 (पीएमएवाई) में अब तक 8 लाख 50 हजार आवासों का

कार्य पूरा किया जा चुका है। इस पर अब तक 22 हजार 975 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों को पीएमएवाई-यू-2.0 के लक्ष्य को समय-सीमा में हासिल करने के लिये निर्देश जारी किये गये हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में पात्र लाभार्थी को 4 प्रमुख घटकों के माध्यम से लाभ दिया जायेगा। योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। इच्छुक हितग्राही आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा विकसित यूनिफाइड वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये हितग्राही अपने संबंधित नगरीय निकाय कार्यालय में भी सम्पर्क कर सकते हैं। केन्द्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार आवास के अभाव में न रहे।

पीएमएवाई-यू-2.0 विभिन्न वर्गों के लिये समानता सुनिश्चित करता है, जिसमें कल्याणी, अकेली महिलाएँ, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और अन्य कमजोर वंचित वर्गों की आवास आवश्यकता को ध्यान में रखा गया है।

प्रदेश में जल संवर्धन अभियान में जनता और प्रशासन की संयुक्त भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरचनाओं के निर्माण और साफ-सफाई के कार्य में निरंतर तेजी आती जा रही है। अभियान में जन-भागीदारी और प्रशासनिक अमला संयुक्त रूप से मिलकर भागीदारी कर रहा है। नदी, तालाबों और चेकडेम की सफाई के साथ बोरी-बंधान के कार्य भी किये जा रहे हैं।

शहडोल जिले के मुड़ना नदी में ग्राम जोधपुर में स्टाप डैम में बोरी बंधान से नदी का जल क्षेत्र 12 घंटे के अंदर हुआ लबालब। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तहसील सोहागपुर के ग्राम जोधपुर से बहने वाली मुड़ना नदी की

जलधारा सूख सी गई थी।

पूर्व से बनाए गए स्टाप डैम में जन अभियान परिषद की ग्राम जोधपुर की प्रस्फुटन समिति तथा ग्राम पंचायत ने स्टाप डैम में बोरी बंधान करने का निर्णय लिया। ग्रामीणों के निर्णय से प्रभावित होकर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, एसडीएम सोहागपुर श्री अरविंद शाह और जन सामान्य ने गांव में पहुंचकर श्रमदान किया। बोरी बंधान से धीरे-धीरे मुड़ना नदी के बहाव क्षेत्र में जल स्तर बढ़ने लगा जिसे देखकर ग्रामीण जन प्रसन्न हो गए। पानी भर जाने से गांव के पशु-पक्षियों को पीने का पानी तथा ग्रामीण जनों को निस्तार के लिये पानी की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

श्योपुर जिले में कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पीएचई विभाग द्वारा गांव-गांव में लोगों को नलो में टोटियां लगाकर जल का अपव्यय रोकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत छीताखेडली में नल कनेक्शन में टोटी लगाकर पानी व्यर्थ न फैलाने के लिए ग्राम वासियों को प्रेरित किया गया। ऐसे नल जिनमें टोटियां नही लगी थी, उनमें टोटियां लगाई गई। इस अवसर पर जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई गई।

उज्जैन सिंहस्थ के लिए 19 इंजीनियरों, कर्मचारियों की पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा बुधवार को सिंहस्थ 2028 के कामों में तेजी लाने के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक के पूर्व उज्जैन में 19 सहायक यंत्री, उपयंत्री, अनुरेखक और स्टाफ की पोस्टिंग की गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश में सूची में शामिल विभाग के सभी इंजीनियर और कर्मचारियों की पदस्थापना सिंहस्थ संभाग और उपसंभाग उज्जैन में की गई है। लोक निर्माण विभाग ने तबादलों पर बैन हटने के बाद अब तक तीन तबादला आदेश जारी किए हैं। तीसरे आदेश में जो भी अधिकारी कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं वे सभी उज्जैन सिंहस्थ की तैयारियों को जल्द पूरा कराने के लिए उज्जैन में ही पदस्थ किए गए हैं। इस आदेश में भोपाल में प्रभारी अधीक्षण यंत्री का काम देख रहे एक सहायक यंत्री को उज्जैन में प्रभारी कार्यपालन यंत्री सिंहस्थ संभाग पदस्थ किया गया है। अवनींद्र सिंह सहायक यंत्री को प्रभारी अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग मंडल क्रमांक एक-भोपाल से प्रभारी कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ संभाग उज्जैन पदस्थ किया गया है।कुबेर सिंह यादव उपयंत्री को प्रभारी सहायक यंत्री कार्यालय कार्यपालन यंत्री भवन संभाग क्रमांक दो भोपाल से लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ संभाग उज्जैन पदस्थ किया गया है। शुभम रावत उपयंत्री को लोक निर्माण विभाग उज्जैन संभाग से लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ संभाग उज्जैन पदस्थ किया गया है। पुरुषोत्तम हेड़ाऊ सहायक ग्रेड दो को लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 2 भोपाल से लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ संभाग उज्जैन में पदस्थ किया गया है। ईश्वरलाल पोरवाल सहायक ग्रेड 3 को लोक निर्माण विभाग उपसंभाग तराना उज्जैन को लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ संभाग उज्जैन स्थानांतरित किया गया है।

अनुरेखक श्रेय शुक्ला को लोक निर्माण विभाग संभाग उज्जैन से लोक निर्माण विभाग सिंहस्थ संभाग उज्जैन स्थानांतरित किया गया है।

राजा भोज एयरपोर्ट-10 साल से घाटे में था, अब फायदा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजा भोज एयरपोर्ट दस साल बाद पहली बार आर्थिक फायदे में पहुंचा है। लगातार घाटे में चलने के कारण यात्री सुविधाओं के लिए बजट मिलना आसान होगा। इससे एयरपोर्ट पर चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट वर्क जल्द पूरे हो सकेंगे। मुख्य रूप से अराइवल और डिपार्चर में बदलाव, मेंटेनेंस और ओवरहॉलिंग हब का निर्माण, नए हैंगर बनाने, फायर सेंटर के रेनोवेशन के लिए पेंडिंग बजट भी जल्द मिल सकेगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी का दावा है कि अगले फाइनेंशियल इयर में फायदा और बढ़कर 10 करोड़ से ज्यादा के आंकड़े पर पहुंचने की उम्मीद है।वर्ष 2015-16 के दौरान भोपाल से केवल दिल्ली-मुंबई के लिए सीमित संख्या में ही फ्लाइट्स का संचालन होता था। इस वजह से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से सीमित बजट मिलता था और खर्च ज्यादा होता रहा। हवाई यात्रा महंगी होने के कारण यात्री भी कम संख्या में सफर करते थे।उस दौरान एयर इंडिया, जेट एयरवेज सहित कुछ ही एयरलाइन्स कंपनियां फ्लाइट्स चलाती थीं। अब हालात काफी बदल चुके हैं। इंडिगो जैसी इकोनॉमी एयरलाइन्स कंपनी भी अपनी फ्लाइट्स पर यात्रियों को कम से कम रेट्स वाले टिकट पर उपलब्ध करवा रही है।

आई टी आई में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन शुरू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कौशल विकास विभाग द्वारा शासकीय आई.टी.आई. में प्रवेश दर में वृद्धि एवं कुशल मानव संसाधन तैयार करने हेतु प्रवेश वर्ष 2025 में आई.टी.आई. चले अभियान चलया जा रहा है। प्रवेश हेतु म.प्र. राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले अपने समस्त प्रमाण पत्र अपने साथ रखें तथा प्रमाण पत्र के अनुसार ही विवरण भरें। आवेदक अपना नाम, माता/पिता का नाम, जन्म तिथि अपने 10 वीं की अंकसूची से मिलान करके ही दर्ज करें। एक मोबाइल नंबर या ई-मेल से एक बार ही रजिस्ट्रेशन होगा। पंजीकरण पूरा करने के बाद अपना पंजीकरण संख्या नोट कर लें तथा पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अपनी श्रेणी तथा उप श्रेणी का चयन अपने प्रमाणपत्र के अनुसार ही करें।

पंजीकरण पेज पर ''ट्रेड सिलेक्शन क्लास'' का चयन ध्यानपूर्वक करें। अगर आप ''8वीं के आधार पर'' विकल्प का चयन करते हैं तो आप केवल 8वीं कक्षा के लिए उपयुक्त ट्रेड का चयन कर पाएंगे। अगर आप ''10वीं के आधार पर'' विकल्प का चयन करते हैं तो आप केवल 10 वी कक्षा के लिए उपयुक्त ट्रेड का चयन कर पाएंगे। अगर आप ''8वीं और 10वीं दोनों के आधार पर'' विकल्प का चयन करते हैं तो आप 8वीं और 10वीं दोनों कक्षा के लिए उपयुक्त ट्रेड का चयन करें।

विद्यार्थी आई टी आई में प्रवेश हेतु प्रोत्साहित हो इसके लिये जिला शिक्षा जिला सीधी ने सभी प्राचार्यो को इस प्रक्रि या की जानकारी का अधिक से अधिक विद्यार्थियों के मध्य देने हेतु निर्देशित किया है।

मझौली महाविद्यालय में 'सफलता के मंत्र' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आयुक्त उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशों के अनुपालन एवं शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली की प्राचार्य डॉ गीता भारती के मार्गदर्शन में सफलता के मंत्र कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय में दिखाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2024 में चयनित प्रदेश के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपनी प्रतिभा के माध्यम से प्रदेश और राष्ट्र का नाम रोशन करें। राजा विक्रमादित्य एवं लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के सुशासन एवं न्यायप्रियता को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवाओं में चयनित सभी प्रतिभाशाली युवा उसी परंपरा के वाहक है।

कार्यक्रम में उपस्थित उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सिविल सेवा में चयनित प्रदेश के विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा कि आपकी प्रशासनिक दक्षता, नवाचारी सोच, नेशन फर्स्ट के संकल्प का सम्पूर्ण लाभ विकसित मध्य प्रदेश को मिलेगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

जमोड़ी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सुश्री सरिता चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा दिनांक 21.05.2025 को ग्राम पंचायत जमोड़ी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर में सुश्री सरिता चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा उपस्थित ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में अवगत कराते हुए बताया गया कि आज के बदलते दौर में महिलाओं की भूमिका सिर्फ घर तक सीमित नहीं रही वे शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, रक्षा, उद्यमिता और हर क्षेत्र में नई उंचाइयों को छू रही है। सरकार एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान और अवसर देने की दिशा में अनेक पहल की जा रही है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी वन स्टॉप सेंटर जैसी योजनाओं एवं बाल विवाह निषेध अधिनियम, भरण-पोषण एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई। उपस्थित ग्रामीण वासियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, नालसा हेल्पलाईन नं. 15100, नालसा पोर्टल, पीड़ित प्रतिकर योजना, लोकोपयोगी लोक अदालत, मध्यस्थता योजना की जानकारी दी गई।

नागौद के खजलइयां तालाब की हुई सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में जल स्त्रोतों तथ नदी, तालाबों, कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिये विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बुधवार को नगर परिषद नागौद द्वारा वार्ड क्रमांक-3 स्थित खजलइयां तालाब में जल सहयोग से सामूहिक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर परिषद नागौद की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, सीएमओ शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता, नगर परिषद नागौद के कर्मचारी एवं जन अभियान परिषद के सदस्य सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर सीधी में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्राचार्य शासकीय कन्या शिक्षा परिसर सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि जनजातीय वर्ग (एसटी) की बालिकाओं के सफल नामांकन दर बढ़ाने के उद्देश्य से शासकीय कन्या शिक्षा परिसर सीधी में प्रवेश के लिए रिक्त सीटों को शत-प्रतिशत भरा जाना है।

कक्षा 6वीं में प्रवेश एम.पी. सरस भोपाल से प्राप्त सूची के अनुसार 70 रिक्त सीटों को भरा जाना है तथा अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों को स्थानीय स्तर से भरा जाना है। उन्होंने बताया कि कक्षा 07वीं के लिए 25, कक्षा 08वीं में 30, कक्षा 09वीं में 30 एवं कक्षा 11वीं में 20 रिक्त सीट है। आवेदन अंतिम तिथि दिनांक 15 जून 2025 तक कार्यालय शासकीय कन्या शिक्षा परिसर सीधी (अमरवाह) में समय सुबह 10 बजे से 04 बजे तक लिया जायेगा।

आमजनता से संवाद कर कृषि विकास के संबंध में लिए जाएंगे सुझाव

29 मई से 12 जून तक चलायेंगे अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया है कि अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के तीन-तीन दल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे।

किसानों तथा आमजनता से संवाद करके कृषि के विकास के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी जाएगी। अभियान के दौरान खेती की उन्नत तकनीक फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाएगी।

अभियान के दौरान किसानों को धान की सीधी बुआई, सोयाबीन फसल को रिजफेरो प्रणाली से लगाने तथा खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में किसानों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिले में भ्रमण करने वाले दल में कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली से जुड़े अधिकारी, प्रगतिशील किसान तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

कमिश्नर ने कहा है कि सभी कलेक्टर अभियान की तैयारी बैठक आयोजित करके अभियान की रूपरेखा तैयार कर लें। प्रत्येक जिले में शासन के निर्देशों के अनुरूप तीन-तीन दल गठित कर दें। इन दलों के जिले भर में भ्रमण का कार्यक्रम तैयार करके प्रतिदिन दो से तीन ग्राम पंचायतों में अभियान का क्रियान्वयन कराएं। अभियान के दौरान कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की सभी प्रमुख योजनाओं की जानकारी एवं उससे लाभ लेने की प्रक्रिया से किसानों को अवगत कराएं। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग करके मिट्टी की जाँच कराने एवं आवश्यकता के अनुसार फसल को पोषक तत्व देने के लिए खाद के उपयोग का निर्धारण कराएं। खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में भी किसानों को समुचित मार्गदर्शन दें।

कलेक्टर अभियान के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी तैनात कर दें। नोडल अधिकारी अभियान की समस्त गतिविधियों में समन्वय बनाकर अभियान की प्रगति का हर सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर और संयुक्त संचालक कृषि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम की बारहवीं प्रस्तुति 1 जून को

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर मां शारदा की पावन नगरी एवं संगीत सम्राट पद्म विभूषण बाबा अलाउद्दीन खाँ साहब की साधना स्थली मैहर में शास्त्रीय संगीत के उभरते हुये नवोदित कलाकारों को मंच देने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी के तत्वाधान में 1 जुलाई 2024 से प्रारंभ किया गया था।

जिसकी बारहवीं प्रस्तुति 1 जून 2025 दिन रविवार को शासकीय संगीत महाविद्यालय परिसर में सायं काल 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक संपन्न होगी। शास्त्रीय संगीत के इस कार्यक्र म में शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य के कलाकार अपनी प्रस्तुती दे सकेंगे। साथ में अटाला आर्ट के तहत घर की अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित कलाकृति की प्रदर्शनी भी शासकीय संगीत कॉलेज परिसर में लगाई जाएगी। जिले के अन्य विद्यालय भी इस क्रम को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें।

कलाकार अपने आवेदन बायोडाटा के साथ 25 मई 2025 तक संगीत महाविद्यालय मैहर में प्रभारी श्री अनिल कुमार जायसवाल सहायक व्याख्याता मोबा. 7987274350 के पास जमा कर सकते हैं। जिन कलाकारों की प्रस्तुतियां हो चुकी हैं, वह 1 वर्ष के पश्चात ही आवेदन करने के पात्र होंगे।

मैहर घराने को जीवंत बनाने एवं विद्या की देवी माँ शारदा की नगरी को संगीतमय बनाने हेतु शास्त्रीय संगीत कार्यक्र म का आयोजन प्रत्येक माह की 1 तारीख को किया जा रहा है। शास्त्रीय संगीत के इस नियमित मासिक कार्यक्र म के अवसर पर नवोदित कलाकारों के उत्साहवर्धन हेतु आप कला प्रेमी रसिक जन मित्रों के साथ आमंत्रित किया गया है।

विधायक ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों का किया उत्साहवर्धन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार सतना जिले में दादा सुखेन्द्र सिंह स्पोटर्स काम्पलेक्स जवाहरनगर सतना में प्रातः 5.30 बजे से प्रातः 7.30 तक और सायं काल 5.30 बजे से सांय 7 बजे तक ग्रीष्मकालीन निःशुल्क खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में लगभग 600 खिलाडी नियमित रूप से विभिन्न खेल विधाओं में भाग लेकर प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान खेल अधिकारी एसपी तिवारी द्वारा खिलाडियों को रनिंग एक्सरसाइज, म्युजिकल, एरोविक एक्सर साइज के प्रशिक्षण के अलावा योग्य प्रशिक्षकों द्वारा खेल की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। खिलाडियों के उत्साहवर्धन के लिए नागौद विधायक श्री नागेन्द्र सिंह और श्री छत्रसाल सिंह ने दादा सुखेन्द्र स्टेडियम पहुंचकर खेल गतिविधियां का निरीक्षण किया तथा खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनायें दी।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में बालीबाल, कबड्डी, फुटबाल, एथलेक्टिस, बैडमिंटन, कराते, टेबिल टेनिस खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी विकासखण्ड मुख्यालयों पर दो-दो खेल विधाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

29 मई से 12 जून तक चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के किसानों के साथ सीधा संवाद करने 29 मई से 12 जून तक 15 दिवसीय विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 चलाया जायेगा। अभियान के संचालन के लिए अटारी जबलपुर द्वारा 168 टीम बनाई गई है। अभियान के दौरान प्रत्येक जिले में प्रतिदिन 3 टीमों द्वारा 2-3 ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर किसानों से संवाद स्थापित करेगी। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र और अटारी तथा जिले के कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों की समन्वय संबंधी बैठक में जिले में अभियान के सुचारू संचालन की रूपरेखा तय की गई।

उप संचालक कृषि मनोज कश्यप ने बताया कि खरीफमौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों की आधुनिक तकनीक, किसानों की उपयोगी शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर फसलों का चयन, संतुलित खाद का प्रयोग के संबंध में किसानों को जागरूक कर किसानों से नवाचार के बारे में फीडबैक भी लिया जायेगा। अभियान के सुचारू क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम भी बनेगा।

जिले में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वैज्ञानिकों और कृषि तथा संबद्ध विभागों के अधिकारियों की 3 टीम बनेगी। गठित टीम प्रतिदिन 2 से 3 ग्राम पंचायतों में अभियान का संचालन करेगी। भारत सरकार के कृषि कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार संचालित इस अभियान में पूरे देश में करीब 2000 कृषि वैज्ञानिक और कृषि अधिकारियों की टीमें केवीके तथा आईसीएआर संस्थानों के साथ मिलकर एक से डेढ करोड किसानों से सीधा सम्पर्क करेगी।

अभियान के तहत गठित टीमों में कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ, आईसीएआर के वैज्ञानिक गण, राज्य सरकार के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, विभाग के अधिकारी, राष्ट्रीय कीट नियंत्रण निगरानी प्रणाली से जुड़े पौध संरक्षण अधिकारी, प्रगतिशील कृषक, कृषि उद्यमी एवं एफपीओ, एफपीआईजी, स्वसहायता समूहों के सदस्य और प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी संबंधित अधिकारियों को केवीके और अटारी के अधिकारियों के समन्वय से टीमों का भ्रमण रूटचार्ट एवं अन्य आवश्यक तैयारी पूर्ण कर प्रभावी रूप से अभियान संचालन के निर्देश दिये हैं।

इस मौके पर उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. प्रमोद शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक केवीके मझगवां नवीन कुमार शर्मा, वैज्ञानिक हेमराज द्विवेदी, आरएचईओ सत्यनारायण सिंगरौल, एफपीओ से प्रिंस पाण्डेय, सहायक यंत्री कृषि अभियांत्रिकी पीसी निगम, मत्स्य कार्यालय से विनय सिंह उपस्थित थे।

नेहा के रक्तदान से बना 6600 यूनिट रक्तदान का रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना हर अच्छा काम समाज को सकारात्मक प्रेरणा देता है इसी क्रम में नेहा बेटी की मदद से सिन्धु विकास समिति ने 6600 वा रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा में खून के रिश्तों की नाजिल पेश की। हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवाने के बाद अब रक्तदान में भी बेटियां कम नहीं है और इसका ताजा उदाहरण है 29 वर्षीय नेहा राओ ने पहली बार जिला अस्पताल में भर्ती मरीज मालती को रक्तदान करके खून के रिश्तों में अपना नाम भी दर्ज कर लिया। सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तवीरों को उत्साहित करने वाले विनोद गेलानी बताते हैं कि नेहा के ब्लड डोनेशन के साथ ही यहां सर्वाधिक ब्लड डोनेशन का रिकॉर्ड बन गया । रक्तदान करवाने में आकाश बनर्जी का विशेष सहयोग रहा। श्री गेलानी ने कहा दिन हो या रात सुबह हो या शाम समिति के सदस्यों के साथ-साथ सर्व समाज के युवा और मातृशक्ति हर समय स्वैच्छिक रक्तदान के लिए तत्पर रहते हैं।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के दिए जरूरी निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। बुधवार को मैहर जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न टीएल बैठक में कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में शामिल गांवों के सभी पात्र हितग्राहियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि गांवों में कैम्प लगाकर आधारकार्ड धारी प्रत्येक हितग्राही के आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम डैशबोर्ड, जल गंगा संवर्धन अभियान, धरती आबा अभियान, वृक्षारोपण की तैयारी, समग्र ई-केवायसी, ई-ऑफिस, सीएम मॉनिट एवं न्यायालयों के प्रकरणों की समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम डॉ. आरती सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास राजेन्द्र बांगरे, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, आरईएस सीएल साकेत, पीएचई डीएल कनेल, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला आबकारी अधिकारी नवीनचन्द्र पाण्डेय, जनपद पंचायत के सीईओ प्रतिपाल बागरी, एमएल प्रजापति, सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि इस माह की ग्रेडिंग में मैहर जिले का स्थान 27 जिलों में 19वां रहा है। आदिम जाति 4, नवकरणीय ऊर्जा 3, श्रम 79, जल संसाधन 6, कुटीर ग्रामोद्योग 15 न्यून संख्या शिकायतों पर भी डी श्रेणी में रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम संख्या शिकायत वाले विभागों द्वारा लापरवाही बरतने पर पूरे जिले की ग्रेडिंग पर असर पडता है।

कलेक्टर ने बी, सी और डी श्रेणी में रहे विभागों के अधिकारियों को पत्र लिखने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि हर बार छोटी-छोटी कमियों के कारण एक से डेढ प्रतिशत कम अंक होने पर जिला पीछे रह जाता है। अगली बार से नाट-अटेण्ड शिकायत पाये जाने पर कलेक्टर ने संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करने की चेतावनी दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि प्लांटेशन की तैयारी में तकनीकी स्वीकृति और गड्डे तैयार करने की कार्यवाही शुरू करें। अमृत सरोवर और रिचार्ज पिट की संरचना के कार्य स्वीकृत मिलते ही प्रारंभ हो जाने चाहिए। प्रत्येक गांव में कम से कम 5 रिचार्ज पिट की संरचना तैयार की जाये। जल गंगा संवर्धन के नवीन कार्यों में बताया गया कि जिले में 607 खेत तालाब, 319 डग बेल, 5 अमृत सरोवर के कार्य लिये गये हैं। धरती आबा अभियान की समीक्षा में सीएमएचओ ने बताया कि चयनित गांवों में आयुष्मान कार्ड का कव्हरेज 76 प्रतिशत हो गया है।

कलेक्टर ने कहा कि आधारकार्ड धारी प्रत्येक हितग्राही के आयुष्मान कार्ड एक सप्ताह में बन जाने चाहिए, कैम्प लगाकर शत-प्रतिशत कवरेज कराये। अगले 15 दिनों में धरती आबा अभियान के चयनित गांवों में आधारकार्ड धारी और आयुष्मान कार्ड धारी की संख्या के बीच गैप खत्म हो जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि अभी भी जिले के कुछ शासकीय भवनों, स्कूल, आंगनवाडी, राशन दुकानों में जिले का नाम मैहर अंकित नहीं किया गया है। सभी अधिकारी अपनी विभागीय परिसम्पत्तियों में जिले का नाम सुधार करवा लें।

ई-ऑफिस की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग के अधिकारी अपने विभाग प्रमुख कार्यालय से बातकर अपना यूजरनेम, पासवर्ड प्राप्त कर लें। जिन विभागों से प्राप्त नहीं हो पा रहे उनके यूजरनेम, पासवर्ड आईडी एनआईसी द्वारा तैयार कराये जायेंगे। समग्र ई-केवायसी की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 57 प्रतिशत ई-केवायसी हुआ है। जबकि खाद्य सुरक्षा मिशन के राशन हितग्राहियों का 82 प्रतिशत ई-केवायसी हो गया है। समग्र के काम में तेजी लाने सीईओ जनपद और सीएमओ नगरीय निकाय को सतत मानीटरिंग करने निर्देशित किया गया।

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी आज सतना आयेंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी 22 मई को प्रातः 6.40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी।

पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं की समस्याओं का निराकरण आज मैहर में

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना 22 मई को प्रातः 11.30 बजे मैहर तहसील प्रांगण में पहुंचेंगे। यहां पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं को उनके कल्याणार्थ जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से.नि. कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी द्वारा सभी पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं से अपील की गई है कि समय पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराये।

विचार

मनुष्य का संस्कार अच्छा होना जरुरी है

नर और नारी एक समान है आप नारी हो या नर, संस्कार अच्छा होना बहुत जरुरी है संस्कार ठीक नहीं है तो क़ोई भी मनुष्य सही या गलत की पहचान नहीं कर सकता है नारी में माँ का रूप से बड़ा और क़ोई नहीं है क्योंकि जन्म देती है आप दूसरे को उपदेश देने से पहले खुद ही अंदर झाँक कर देखिए आप के अंदर ईश्वर मौजूद है ना तो डरता है ना ही डराता है एक बात समझ कर चलिए आप जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे, ईश्वर के ध्यान में लीन हो जाये तब आप समझ जायेंगे क्या अच्छा है क्या बुरा दूसरों की देखा देखी करना ठीक नहीं है आप खुद ही ऐसा सोचे यदि हम उस जगह रहते तो क्या करते कहाँ जा रहा है आज का समाज इसपर ध्यान देने की जरुरत है दूसरे को दु:ख को उसके बुरे वक़्त में नजरअंदाज करना आपकी सबसे बड़ी भूल है हम जब अकेले थे तो माता पिता मेरे साथ थे खुश थे कहीं शिफ्ट करना भी आसान था ईश्वर सब देख रहा है आप भगवान राम से प्रेरणा लें उस समय पिता के वचन को निभाना सबसे बड़ा कर्तव्य था उन्हें यानि राजा दसरथ को श्रवण कुमार की गलती से मारे जाने पर उनके माता पिता से श्राप के कारण यह देखने को मिला जिसे उन्हें भी काफी दु:ख हुआ लेकिन नियति को कौन टाल सकता है और ऐ हुआ जंगल जाना वो भी 14वर्ष के लिए इतना आसान नहीं था वो वनवास श्री राम को ही मिला था लेकिन उनके साथ माता सीता और भ्राता लखन भी गए ऐ निर्णय भी आसान नहीं होता है आप कल्पना कर देखिए आप घबराहट में बैचैन हो जायेंगे क्योंकि 14वर्ष जंगल में रहना क़ोई आसान काम नहीं होता है ऐ मरने जीने जैसा है लेकिन यदि आप सही में जिसे सच्चे मन से चाहते हैं उसे मौत से भी डर नहीं होता और वहाँ ना तो घर है ना ही पलंग ना ही बिजली पानी और खाने हेतु गैस का सिलेंडर लेकिन हिम्मत है और यही हिम्मत उसे महान बनाता है जो दु:ख में साथ है वही आपका सच्चा आदमी है चाहे अपना हो या पराया, माता सीता ऐसा नारी बनना इतना आसान नहीं है लेकिन जीवन में भगवान श्री राम के साथ मरने जीने की इच्छा ही पुरे विश्व में माँ के रूप में पूजन किया जाना गर्व की बात है मैं आपको कहुँ कि माँ के रास्ते पर चलना चाहिए तो बुरा भी लगेगा लेकिन जीवन में दु:ख के समय खुश रहना भी आएगा आप खुद को विचारों में अच्छा बनने की कोशिश करें विचार ही आपको महान बना सकती है इसमें कई कष्ट भी होंगे लेकिन जो सही लगता है उसे करें आपका धर्म क्या है ऐ देखिए यदि आप अपने धर्म को सही से निभाना आ गया तो आपके आने वाली पीढ़ी भी आपके रास्ते चल पड़ेगी और कुछ बन कर निकलेगी और जहाँ जायेंगे आपका मान सम्मान बढ़ेगा आप यदि किसी पर गुस्सा हैं हैं तो पहले एक पल के लिए शांति से काम लें और उस आदमी को पहले परख लीजिये उसमें कितना ईश्वर ने शक्ति दि है ज्ञान से और उसके कर्म से मालूम हो जायेगा कष्ट जीवन में आते हैं एक गाना है जो संतोष आनंद द्वारा लिखा है एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है... इसमें दु:ख और सु:ख दोनों पर सब खुश रहते हैं गुरुगोबिंद सिंह जब खालसा पंथ की स्थापना कर रहें थे तब उन्होंने पूछा की कौन मुझे शीश दे सकता है

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

पहलगाम की रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यिपूर्ण एवं विडबनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे।

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

अमरावती मॉडल देगा दुनिया के देशों को नई दिशा

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ो-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्रोत से ही प्राप्त होगी। सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली जीवाश्म ऊर्जा का अमरावती में नामोनिशान नहीं होगा। अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमली जामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा। अमरावती को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी युक्त दुनिया का पहला शहर बनाने के लिए 2050 तक की मांग का आकलन कर लिया गया है करीब 2700 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी। इसमें स 30 प्रतिशत सोलर और पवन आधारित उर्जा होगी तो 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन पनबिजली आधारित होगी।

ग्रीन एनर्जी के चार प्रमुख स्रोत है। इसमें सूर्य की गर्मी आधारित सोलर ऊर्जा, हवा के झोकों पर आधारित पवन ऊर्जा, जल आधारित पन बिजली परियोजना और भूगर्भ के ताप आधारित भूतापीय ऊर्जा को रिन्यूवल एनर्जी के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रमुखता से सोलर, पवन और पन बिजली को लिया जाता है। दरअसल जीवाश्म आधारित उर्जा जिसमें प्रमुखत: कोयला व लिग्नाइट का प्रयोग होता है उसके चलते जलवायु में तेजी से परिवर्तन हुआ है और आज दुनिया के देश तापमान वृद्धि को 1.5 प्रतिशत तक रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2 प्रतिषत वृद्धि दर को डेढ प्रतिशत लाना टेड़ी खीर बना हुआ है। पेरिस घोषणा के अनुसार दुनिया के देशों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है अन्यथा जलवायु परिवर्तन के जिस तरह के परिणाम हम आये दिन देखने लगे हैं जिसमें तापमान में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, अनपेक्षित मौसम चक्र कभी तेज गर्मी तो कभी तेज सर्दी और कभी तेज बरसात। आंधी तूफान, जंगलों में दावानल, तूफानों चक्रवातों के नए नए रुप और बार बार आवृति हमारे सामने हैं। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है तो जंगलों के दावानलों का असर आसपास के शहरों खासतौर से अमेरिकी शहरों में देखा जा चुका है। सूखा और बाढ़ आम होती जा रही है तो दवाओं के बेअसर होने और संक्रामक रोगों की बढ़ोतरी सामने हैं। दुनिया के देश खासतौर से मौसम विज्ञानी इन हालातों को लेकर चिंतित है और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को सीमित करने के उपायों को लेकर प्रयासरत है।

हांलाकि इसमें सरकारों की ईच्छा शक्ति, संसाधन, आर्थिक सामाजिक हालात के साथ ही विकसित देशों द्वारा खुले दिल से सहयोग नहीं करना बड़ा कारण बनता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से दुनिया के देश सावचेत नहीं हो। बल्कि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों को लेकर रेंकिंग भी जारी होने लगी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रेकिंग में भारत दसवें स्थान पर है हांलाकि यह इससे पहले के साल की तुलना में रेंकिंग पिछड़ी है। मजे की बात यह है कि हालिया सूचकांक के विश्लेषण से साफ हो जाता है कि आज भी इस सूचकांक को एक से तीन नंबर की रेंकिंग वाले देश की प्रतीक्षा है। रेकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर है और उसका चौथे स्थान है।

नीदरलैंड, इंग्लेण्ड, फिलिपिन्स, मोरक्को, नार्वे क्रमश: है तो भारत दसवें स्थान पर है। देश में रिन्यूवल एनर्जी की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। गुजरात के कांडला सेज को पूरी तरह से हरित औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है तो तमिलनाडु के महाबलीपुरम के शोर मंदिर को ग्रीन एनर्जी पुरातात्विक स्थल के रुप में पहचान मिल चुकी है। डेनमार्क का कोपेनहेगेन भी इसी श्रेणी में आता है। आस्ट्रेलिया का एडिलेड, कोरिया का सियोल, आइवरकोस्ट का कोकोडी, स्वीडन का मालमो और दक्षिणी अफ्रिका का केपटाउन ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ते हुए शहरों में से हैं। गुजरात के कांडला सेज में 1000 एकड में साढ़े तीन लाख पेड़ लगाया गया है। समुद्र के नमक के पानी से प्रभावित क्षेत्र को जलवायु की दृष्टि से करीब करीब बदल ही दिया गया है।

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा। पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी का ही उपयोग होगा। हांलाकि यह अपने आप में चुनौतीभरा काम होगा पर ईच्छा शक्ति और कुछ नया करने की भावना से आगे बढ़ा जाता है तो फिर कोई कार्य असंभव नहीं होता है। हांलाकि केन्द्र व राज्य सरकारें अक्षय ऊर्जा के इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान रिन्यूवल एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में समूचे देश में आगे है और भड़ला पार्क जैसे सोलर पार्क यहां विकसित हो चुके हैं। सरकार अब घरों की छतों पर सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तो खेती में सोलर पंपों और अन्य कार्यों में उपयोग सकारात्मक प्रयास माने जा सकते हैं। पर अमरावती इन सबसे अलग इसलिए हो जाती है कि यहां समग्रता से प्रयास करते हुए समूचे शहर को ग्रीन एनर्जी युक्त बनाया जा रहा है यइ सराहनीय होने के साथ ही प्रेरक भी है।

साप्ताहिक समय सीमा की बैठक हुई संपन्न

कलेक्टर की सभी विभागों को सख्ती पेंडिंग कार्यों की समीक्षा के साथ समयबद्ध निराकरण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक चले सुशासन तिहार में आवेदनों का निराकरण करने हेतु चल रहे समाधान शिविर की समीक्षा की। इस दौरान सभी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से हितग्राहियों को दिए जाने वाले लाभों को एक साथ महिला बाल विकास विभाग के अन्नप्राशन एवं गोद भराई रस्म के दौरान प्रदान करने को कहा गया। वहीं, समाधान शिविर के दौरान जनप्रतिनिधियों से हितग्राहियों के साथ अच्छे फोटो कराने के लिए कहा गया और शिविर में अच्छे स्पीकर रखने के लिए निर्देशित किया गया। वहीं, समाधान शिविर के दौरान आए मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक को मंच के दोनों ओर गनमैन रखने के लिए कहा गया। इसके साथ ही शिविर में आए जनप्रतिनिधियों के लिए अच्छे भोजन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने पुराने पेंडिंग कार्य, डीएमएफ द्वारा स्वीकृत पुराने और नए कार्यों को लेकर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने मनेंद्रगढ़ की जोशी और रिकी कैंटीन को टेंडर नहीं देने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व निरीक्षक मंडलों में नामांतरण, बटवारा, किसान किताब (ऋण पुस्तिका) हेतु आवश्यकता अनुसार आबंटन मंगाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व सर्कलों में पटवारी कार्यालय सह आवास हेतु सूची बनाने के निर्देश दिए। जेल रोड में नए कलेक्टर ऑफिस, आयुष, वीआईपी क्वार्टर, एसडीएम बिल्डिंग केल्हारी, कोटाडोल तहसील कार्यालय में नए शौचालय निर्माण, खड़गवां में आयुष के लिए एक हेक्टेयर भूमि आवंटन और आमाखेरवा में 220 बेड के हॉस्पिटल निर्माण को लेकर चर्चा की गई। वही सीएससी खड़गवां, भूमि पूजन, डंगौरा मेंटल हॉस्पिटल, शिक्षा विभाग के अतिरिक्त कक्षों, कृषि, क्रिडा और स्वास्थ्य विभाग के लिए भूमि आवंटन पर भी चर्चा हुई। सर्किट हाउस में शेड निर्माण, कलेक्टर कार्यालय में रिकॉर्ड रूम और जिला पंचायत भवन के लिए भूमि आवंटन पर भी चर्चा की गई। वहीं, गर्ल्स कॉलेज, नवोदय विद्यालय के लिए भूमि आवंटन तथा खेल मैदान में मल्टीमेल हॉल, बैडमिंटन, वालीबॉल, कबड्डी और फुटबॉल खेलने की व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। इसके साथ ही लाइवलिहुड कॉलेज, होर्टिकल्चर कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज, नागपुर-चिरमिरी रेलवे लाइन, वन विभाग, कोटाडोल हाउसिंग बोर्ड और सड़क निर्माण से संबंधित लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने जिले में पीडीएस भवन हेतु आवश्यकतानुसार विधानवार सूची बनाने के निर्देश खाद्य विभाग को दिए, साथ ही नए राशन दुकानों खोलने की बात कही। जिले के 28 पंचायतों के सभी सम्बंधित विभागों तथा सभी ब्लॉकों के एक पंचायत को वहाँ के डेटा तैयार करने के लिए कहा गया, जिसमें हर पांच पंचायतों का निरीक्षण कर पीएम जनमन का निरीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही समाधान शिविर में बन रहे आधार कार्ड की जानकारी, आवास हितग्राहियों की जानकारी, वन अधिकार पत्र की जानकारी के साथ अन्य सभी प्रकार के हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी को एकत्रित कर जनपद सीईओ को देने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, केल्हारी में बकरी फार्म और बंजी में पोल्ट्री फार्म के लिए जमीन आवंटन को लेकर चर्चा की गई। वही भरतपुर ब्लॉक के ष्टस्ष्ट ऑफिस खोलने, कलेक्टर कैम्प्स में एटीएम रखने हेतु कक्ष निर्माण, कुंवारपुर और बहरासी के धान खरीदी केंद्र में समिति गठन करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही बेलबहरा में बैगा जनजाति कितनी है, उसका सर्वे करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही शासकीय आवासों में अवैध तरीके से रह रहे कब्जाधारियों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पेयजल व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। साथ ही जनपद पंचायत खड़गवां में अतिरिक्त कक्ष, मनेंद्रगढ़ शहर के किनारे ग्राम पंचायत में साप्ताहिक बाजार खोलने, मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर में जहाँ-जहाँ नदी, नरवा और नाले बह रहे हैं, उन्हें चिन्हांकित करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही बैलगाड़ी प्रोजेक्ट, सामुदायिक भवन, कार्यालय, पुलिस अधीक्षक द्वारा अतिरिक्त कक्ष निर्माण, तहसील कार्यालय जनकपुर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए आवास हेतु भूमि चिन्हांकन, आरसीटी के लिए भूमि चिन्हांकन तथा पीएम आवास के लिए पैसा प्राप्त करने वाले और जिन लोगों का आवास नहीं बना रहे हैं, उनका रिकवरी करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिन भूमिहीन लोगों को आवास आवंटन हुआ है, उन्हें जनपद सीईओ, तहसीलदार और पटवारी के माध्यम से सर्वे करके बी1 नक्शा-खसरा जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने आगे कहा कि सभी विभागों में भर्ती प्रक्रिया तक एक-एक स्वीकृत पद निकालने के लिए कहा गया है। साथ-साथ ही सीएम जनदर्शन के पुराने और नए मामलों का निरीक्षण करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, सीएम ने जितनी भी घोषणाएं की हैं, उनकी जानकारी एकत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही राजस्व विभाग को निर्देशित किया है कि जितने भी जांच प्रतिवेदन हैं, उन्हें निराकरण करने के लिए कहा गया है।

इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा, एसडीएम लिंगराज सिदार, विजयेन्द्र सारथी, सर्व तहसीलदार, सर्व जनपद सीईओ, नगर पंचायत सीएमओ, जिले के सभी विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी बैठक में उपस्थित रहे।

नशे से मुक्त होने के लिए उपचार की है नि:शुल्क सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में नशे के आदी व्यक्तियों को नशे से मुक्त करने के लिए उपचार की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है। इस संबंध में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि निवेदिता कल्याण समिति रीवा द्वारा नशामुक्ति केन्द्र संचालित किया जा रहा है। यह केन्द्र निराला नगर में सरस्वती स्कूल के पास संचालित है। इसमें 15 व्यक्तियों के भर्ती होने की आवासीय सुविधा उपलब्ध है। नशे से पीड़ित व्यक्ति को आवास और भोजन के साथ-साथ दवाईयाँ एवं परामर्श निःशुल्क प्रदान किया जाता है। संस्था का संचालन भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से प्राप्त अनुदान से किया जा रहा है। नशे से पीड़ित व्यक्ति को नशे से मुक्त कराने के लिए पूरा सहयोग दिया जा रहा है। संस्था में प्रवेश लेने के लिए इसके संचालक श्री रमजान मोहम्मद से मोबाइल नम्बर 9981248756 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों पर भर्ती हेतु वॉक-इन इंटरव्यू 18 जून को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर नवा रायपुर द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के तहत जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में रिक्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों पर अस्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इन पदों पर संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। जिले के जिन विद्यालयों में यह नियुक्तियां की जानी हैं, उनमें चिरमिरी, मनेन्द्रगढ़, भरतपुर, केल्हारी, नवापारा पोंड़ी, खड़गवां और पोंड़ी बचरा स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल शामिल हैं।

इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योग्य शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थियों को वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्हें अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की स्व प्रमाणित प्रतियों के साथ निर्धारित तिथि और स्थल पर स्वयं उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन से पूर्व शैक्षणिक अर्हता, चयन प्रक्रिया, आवेदन प्रारूप तथा पदों की विस्तृत जानकारी जिले की आधिकारिक व े ब स ा इ ट https://manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in/ पर अवश्य देखें। साथ ही संबंधित विद्यालयों तथा जिला शिक्षा अधिकारी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के कार्यालय के सूचना पटल पर भी विवरण उपलब्ध है।

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग जिला एमसीबी के आदेशानुसार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के वे विद्यार्थी जो छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर अध्ययनरत हैं, चाहे वे शासकीय-अशासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, डाईट, बी.एड कॉलेज, आईटीआई, नर्सिंग कॉलेज या पॉलिटेक्निक एवं उनमें अध्ययनरत् अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए यह सूचना महत्वपूर्ण है। इन विद्यार्थियों की संस्थाओं के प्राचार्यों, संस्था प्रमुखों एवं छात्रवृत्ति प्रभारियों को सूचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही http://postmatri-scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है। इसके अंतर्गत विभाग द्वारा ऑनलाइन आवेदन/प्रस्ताव/स्वीकृति वर्ष 2025-26 हेतु तिथि निर्धारण इस प्रकार की गई है विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि 31 मई 2025 तक निर्धारित की गई है जबकि नवीनीकरण हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 तक रहेगी। स्वीकृति एवं डिसबर्स की तिथियां शासकीय संस्थाओं हेतु 07 जून 2025 तक एवं अशासकीय संस्थाओं हेतु 07 सितम्बर 2025 तक निर्धारित की गई हैं। संभावित भुगतान तिथि शासकीय संस्थाओं के लिए 10 जून 2025 एवं अशासकीय संस्थाओं के लिए 10 सितम्बर 2025 है। नवीन छात्रों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2025 तक एवं स्वीकृति हेतु 30 नवम्बर 2025 तक तथा प्रस्ताव लॉक की तिथि 07 दिसम्बर 2025 तक और Sanction Order Lock की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2025 तक तय की गई है। संभावित भुगतान तिथि नवीन विद्यार्थियों के लिए शासकीय संस्थाओं हेतु 20 दिसंबर 2025 एवं अशासकीय संस्थाओं हेतु 20 दिसंबर 2025 है। 31 दिसम्बर 2025 तक समस्त कार्यवाही पूर्ण कर ली जानी चाहिए। विद्यार्थियों को उनके आधार सीडेड बैंक खाते में भुगतान 07 कार्य दिवस में प्राप्त होगा। निर्धारित तिथि के पश्चात शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन के लिए पोर्टल बंद कर दिया जाएगा एवं Draft Proposal Lock ¥Íßæ Sanction Order Lock करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जाएगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं, तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगे। छात्रवृत्ति हेतु पात्रता इस प्रकार है अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के पालक की आय-सीमा रुपये 2.50 लाख प्रतिवर्ष एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आय-सीमा रुपये 1.00 लाख प्रतिवर्ष है।

उप मुख्यमंत्री आज आयेंगे रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 22 मई को कटनी से दोपहर 12 बजे कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे रीवा आयेंगे तथा स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

संभागीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 28 मई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभागीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 28 मई को सुबह 11.30 बजे से कमिश्नर कार्यालय में आयोजित की जा रही है। इसकी अध्यक्षता कमिश्नर बीएस जामोद करेंगे। बैठक में रीवा और सिंगरौली जिलों के प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। समिति में शामिल सभी अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

कमिश्नर ने समन्वित खेती करने वाले किसानों के प्रयासों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के कई किसान आधुनिक तरीके से समन्वित खेती के सफल प्रयोग कर रहे हैं। सीमित क्षेत्र में खेती, पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरी पालन और मछलीपालन की इकाईयाँ स्थापित करके समन्वित खेती के सपने को साकार कर रहे हैं। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कई गांवों का भ्रमण करके किसानों द्वारा समन्वित खेती के लिए किए जा रहे प्रयासों का जायजा लिया। कमिश्नर ने ग्राम अमवा, बहुरीबांध तथा कंजी में खेतों जाकर किसानों द्वारा किए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। कमिश्नर ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी खेती को बेहतर करें। खेती के साथ-साथ पशुपालन, उद्यानिकी और मछली पालन से ही किसानों की आय बढ़ेगी। जैविक खेती, प्राकृतिक खेती और मोटे अनाजों की खेती सभी के लिए लाभदायक है। किसानों ने समन्वित खेती के जो प्रयोग किए हैं उसकी सफलता अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। भ्रमण के समय संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, उप संचालक कृषि यूपी बागरी, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह तथा अन्य मैदानी कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने सबसे पहले गांव अमवा में सेवानिवृत्त बैंककर्मी उदयबहादुर सिंह द्वारा स्थापित बकरी इकाई का निरीक्षण किया। इसमें आधुनिक शेड में 400 बकरियों का पालन किया जा रहा है। इसके साथ-साथ 500 मुर्गियाँ भी पृथक शेड में पाली जा रही हैं। बकरी और मुर्गियों के लिए दाना तैयार करने की यूनिट और भूसा-चारा का भण्डार भी बनाया गया है। प्रगतिशील किसान श्री सिंह ने 12 एकड़ के क्षेत्र में कई प्रयोग किए हैं। बकरी पालन के साथ-साथ एक एकड़ के तालाब में मछली पालन भी किया जा रहा है। इसके साथ-साथ चार एकड़ क्षेत्र में अमरूद के पौधे लगाए गए हैं।

इसके बाद कमिश्नर ने ग्राम बहुरीबांध में श्री अरूण सिंह के खेत का निरीक्षण किया। श्री सिंह ने बताया कि 8 पक्के टैंक तथा पानी को साफ करने की यूनिट 50 लाख रुपए की लागत से बनाई गई है। इससे 6 माह में प्रत्येक टैंक से 300 किलो मछली प्राप्त हो जाती हैं। मछली बीज संचयन के लिए कच्चा तालाब भी बनाया गया है। इसके साथ-साथ एक एकड़ में गर्मी की मूंग की खेती जैविक विधि से की गई है। परिसर में चार माह पहले 150 ड्रैगन फ्रूट के पौधे लगाए गए हैं। इससे तीन माह में फल प्राप्त होने लगेगा। यह बाजार में 150 रुपए किलो की दर से रीवा में ही बिक्री हो जाएगा। मछली पालन कच्चे तालाब के चारों ओर चंदन के 70 पौधे तथा ताइवान किस्म के पपीते भी लगाए गए हैं। इनसे भी अतिरिक्त आय होगी।

इसके बाद कमिश्नर ने ग्राम कंजी में विन्ध्यांचल सीड प्रोडक्शन किसान संघ के कार्यों का अवलोकन किया। मौके पर उपस्थित किसान संघ के कृष्णधर द्विवेदी शास्त्री जी तथा संचालक सर्वेश सिंह ने बताया कि किसान संघ 2017 से किसानों से अनाज खरीदकर उसकी ग्रेडिंग करके प्रमाणित गुणवत्तापूर्ण बीज के रूप में किसानों को उपलब्ध कराता है। नाबार्ड के सहयोग से 60 लाख रुपए की लागत से बीज ग्रेडिंग यूनिट और गोदाम का निर्माण किया जा रहा है। मिलेट मिशन से जुड़कर 1100 क्विंटल कोदौ किसानों से खरीदकर भण्डारित किया गया है। इस वर्ष किसानों को 2500 क्विंटल बीज उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। हमारी कंपनी का वार्षिक टर्न ओवर एक करोड़ 79 लाख रुपए है। किसान संघ द्वारा धान और गेंहू के बीज तैयार किए जा रहे हैं। किसान संघ से लगभग 5 हजार किसान जुड़े हुए हैं।

रीवा की खबरें

स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में युवाओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा युवाओं के लिए पार्थ योजना संचालित है। इसके तहत युवाओं को स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में सुबह 8 बजे से सुबह 9.30 बजे तक पुलिस, आर्मी भर्ती और शारीरिक व मानसिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। युवाओं को 800 तथा 1500 मीटर दौड़, लम्बीकूद, गोलाफेक, ब्लेसिंग बीम, रोप, क्याविंग सिंगलवार, डबलवार, मल्टीजिम का शारीरिक अभ्यास कराया जा रहा है। युवाओं को शाम 5 बजे से शाम 7 बजे तक स्मार्ट क्लॉस रूम में मानसिक दक्षता बढाने के लिए कोचिंग क्लॉस का संचालन किया जा रहा है। जिसमें योग्य व विद्वान प्राध्यापको के माध्यम से समान्य ज्ञान, तार्किक ज्ञान, सामान्य गणित का अध्यापन युवक युवतियों को प्रतिदिन कराया जा रहा है। "पार्थ योजना" 2025 पूर्णता स्ववित्तपोषित है। आगामी समय में आर्मी, पुलिस, सी.आईएसएफ. एसएएफ, आईटीव्हीपी आदि सेनाओं की तैयारियों के लिए युवा अपना पंजीयन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में कराकर योजना का लाभ ले सकते है। युवा अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 9755618571, 7224926265 पर अथवा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स रीवा में प्रातः 6 बजे से रात्रि 7 बजे तक सीधे संपर्क कर सकते है।

कलेक्टर आज करेंगी ई केवाईसी अपडेशन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 22 मई को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन की समीक्षा करेंगी। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सभी सीईओ जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, महाप्रबंधक सहकारी बैंक, जिला आपूर्ति अधिकारी, सहायक आपूर्ति अधिकारी, सहकारी समिति प्रबंधक तथा जिला प्रबंधक आजीविका मिशन एवं विकासखण्ड समन्वयक को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

छात्रवृत्ति और आवास सहायता के प्रकरणों का दो दिवस में करें निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यों को विद्यार्थियों की लंबित छात्रवृत्ति और आवास सहायता के प्रकरणों को दो दिवस में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि शासन द्वारा जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृत तथा वितरण के संबंध में समीक्षा की जाती है। पूर्व में इस संबंध में लंबित आवेदनों के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्यो द्वारा छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता के आवेदनों का निराकरण नहीं किया गया। छात्रों की छात्रवृत्ति और आवास सहायता का समय पर भुगतान नहीं होने के कारण विभिन्न माध्यमों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिससे जिले की ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है। कलेक्टर ने कहा है कि संबंधित संस्थाओं के प्राचार्य विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता के प्रकरणों का निराकरण दो दिवस के अंदर करें। निर्धारित समय में कोई भी प्रकरण लंबित रहने पर संबंधितों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

कलेक्टर ने ड्रोन उड़ाने पर दिए प्रतिबंध के आदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ड्रोन, मानव रहित हवाई वाहन, मानव रहित हवाई प्रणाली, रिमोट संचालित एयरक्राफ्ट प्रणाली तथा रिमोट संचालित एयरक्राफ्ट उड़ाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन्हें उड़ाने पर प्रतिबंध की अवधि आगामी 24 मई 2025 तक रहेगी। यह आदेश पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर लोक हित तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत दण्डनीय होगा। कलेक्टर ने जारी आदेश में कहा है कि रीवा जिले में रह रहे प्रत्येक नागरिक को इस आदेश की व्यक्तिशः तामील कराया जाना संभव नहीं है। अतः इसे सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार पत्रों के माध्यम से सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है। कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम, पुलिस अधीक्षक तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को आदेश का प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं।

बच्चों को संकट से बचाने और सहायता के लिए है चाइल्ड हेल्पलाइन 1098

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 बहुत जाना पहचाना नम्बर है। देश भर के लाखों संकटग्रस्त बच्चों के लिए यह आशा की किरण है। यह हेल्पलाइन नम्बर साल के सभी 365 दिनों में 24 घंटे निःशुल्क सहायता के लिए उपलब्ध है। इसका संचालन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नोडल एजेंसी चाइल्ड लाइन इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से पूरे देश में किया जाता है। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से सहायता मांगने पर संबंधित क्षेत्र के पुलिस अधिकारी और महिला एवं बाल विकास अधिकारी के पास में सूचना पहुंचती है। सूचना मिलने पर अन्य विभागों के सहयोग से बच्चों को संकट से बचाने तथा अन्य वांछित सहयोग देकर उनका संरक्षण किया जाता है। बच्चों को आपातकाल में मदद देने और आवश्यकता होने पर पुनर्वास केन्द्र की सुविधा देने में चाइल्ड हेल्पलाइन बहुत कारगर है। इसके माध्यम से बाल विवाह रोकने, बच्चों को नशे की लत से बचाने, बालश्रम पर रोक तथा अन्य कारणों से संकटग्रस्त बच्चों को सहायता दी जाती है। महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी कार्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा थानों में चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098 का उल्लेख किया गया है। कोई भी व्यक्ति संकटग्रस्त बच्चों की सहायता करने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर में सूचना दे सकता है। यह हेल्पलाइन पूरी तरह से निःशुल्क कार्य करती है।

कलेक्टर मऊगंज की अध्यक्षता में बाल श्रम रोकने के लिए समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में बाल श्रम को रोकने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। यह समिति श्रमायुक्त के निर्देशों के अनुसार बालक और कुमार श्रम प्रतिशेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 के प्रावधानों के तहत गठित की गई है। समिति में पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, सहायक श्रमायुक्त, बाल श्रम संरक्षण अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा सदस्य जिला दुर्व्यापार निवारण इकाई मऊगंज को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति का सचिव जिला श्रम पदाधिकारी मऊगंज एवं नोडल अधिकारी श्रम निरीक्षक मऊगंज को बनाया गया है। समिति में स्वयंसेवी संस्था अहिंसा वेलफेयर समिति के सुमित सिंह, जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य को शामिल किया गया है। समिति में एक सदस्य का नामांकन जिला न्यायाधीश द्वारा किया जाएगा। समिति में कलेक्टर ने अधिवक्ता श्री प्रदीप सिंह सेंगर को सदस्य के रूप में नामांकित किया है। यह समिति जिले में बाल श्रम से जुड़ी शिकायतों पर तत्परता से कार्यवाही करेगी। समिति की हर माह बैठक आयोजित की जाएगी।

मुयमंत्री डॉ. यादव ने चयनित प्रतिभागियों का किया समान और उनसे संवाद

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का दिल है, और देश की धड़कनों में मध्यप्रदेश की आहट होना चाहिए। यह प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा, योग्यता और दक्षता से ही संभव है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा वर्ष 2024 में प्रदेश के 60 युवाओं का चयन मध्यप्रदेश की क्षमता को दर्शाता है। प्रदेश के यह युवा, देश की अलग-अलग सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और पूरा देश हमारे प्रदेश के प्रभाव का अनुभव करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में चयनित प्रतिभागियों के सम्मान तथा उनसे संवाद के लिए कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह तथा भारतीय ज्ञान परम्परा पुस्तक

की प्रति भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-ज्ञानसेतु यूट्यूब चैनल का लोकार्पण भी किया। उन्होंने पुस्तिका मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं का परचम का विमोचन किया। इस अवसर पर ई-ज्ञानसेतु और चयनित प्रतिभागियों पर वृत चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, प्रतिभागी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को एक स्वस्थ्य लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की ही देन है कि जमीन से जुड़े व्यक्ति को भी देश-प्रदेश का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

गोवा में भारी बारिश, आज रेड अलर्ट-मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश

वास्को (एजेंसी)। गोवा में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश जारी है। साथ ही 60 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल रही है। बीते 24 घंटों में उत्तर गोवा के पेरनेम में 207 एमएम से ज्यादा बारिश दर्ज हुई है। मौसम विभागने दोनों जिलों उत्तर और दक्षिण गोवा में आज ऑरेंज अलर्ट जारी किया था, फिर दोपहर में इसे बढ़ाकर रेड अलर्ट में बदल दिया गया। राज्य सरकार ने वाटरफॉल, जंगल और ट्रैकिंग स्पॉट पर एंट्री बैन कर दी है। विभाग ने गुरुवार के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट और इसके बाद 27 मई तक यलो अलर्ट जारी किया है। इंडिगो एयरलाइन ने कहा, भारी बारिश के चलते आज गोवा की फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती हैं। एयरपोर्ट जाने से पहले फ्लाइट का स्टेटस जरूर चेक करें। वहीं, उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। हीट वेव और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के लिए राजधानी लखनऊ के अस्पतालों में कोल्ड वार्ड बनाए गए हैं। हीट वेव मरीजों के लिए 20 बेड रिजर्व हैं, जिसमें 10 इमरजेंसी के लिए हैं। लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक घर से न निकलने की सलाह दी गई है।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख और अर्नब गोस्वामी पर एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और रिपब्लिक टीवी के जर्नलिस्ट अर्नब गोस्वामी के खिलाफ कांग्रेस ने स्नद्ब्क्र की है। दोनों पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप है। अमित मालवीय ने 17 मई को एक्स पर अर्नब गोस्वामी एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो बता रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी का तुर्किये में रजिस्टर्ड ऑफिस है। मालवीय ने लिखा- राहुल गांधी को बताना चाहिए कि ऐसा करने की जरूरत क्यों पड़ी। यह हैरान और समझ से बाहर का मामला है। देश को इसका सच जानने का हक है। इसी वीडियो को लेकर शिकायत में कहा गया है कि ऐसा सोची-समझी रणनीति के तहत देश की जनता को गुमराह और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के लिए किया गया है। यह लोगों की भावनाओं को भड़काने, देश की सुरक्षा और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक तनाव के बीच तर्किये ने पाकिस्तान को खुलकर समर्थन दिया था। साथ ही भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। इसके बाद देशभर में तुर्किये को बॉयकॉट किया गया।

ज्योति आईएसआई एजेंट से बोली- पाकिस्तान में शादी करवा दो

हिसार/चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के शक में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारी से एक और वॉट्सएप चैट सामने आई है। इसमें ढ्ढस्ढ्ढ एजेंट हसन अली उसे दुआ दे रहा है, तो जवाब में ज्योति उससे पाकिस्तान में शादी कराने को कह रही है। ज्योति एक साल पहले पठानकोट गई थी। उसने वहां कोई वीडियो रिलीज नहीं किया था, लेकिन फेसबुक पर शेयर की गई फोटो और एक छोटी सी क्लिप से उसके वहां जाने का खुलासा हो गया। जिसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी और इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीम उसे मंगलवार (20 मई) को पठानकोट लेकर गई। एनआईए ने उसके पठानकोट विजिट को संदिग्ध माना है। संदेह है कि वह आर्मी कैंट और एयरबेस की रेकी के मकसद से गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान आर्मी ने पठानकोट में आर्मी कैंट और एयरबेस को टारगेट करने की कोशिश की थी। यहां 2016 में भी हमला हो चुका है। इस बीच, ज्योति से पूछताछ करने के लिए मध्य प्रदेश के उज्जैन से टीम हिसार पहुंची है।

सीजेआई बोले- छुट्टियों में वकील काम नहीं करना चाहते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि वकील छुट्टियों के दौरान काम करना नहीं चाहते, लेकिन केसों के बढ़ते बोझ (बैकलॉग) के लिए जजों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। दरअसल, सीजेआई गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। तब एक वकील ने अपनी याचिका की सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद करने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि

26 मई से 13 जुलाई तक अदालत आंशिक रूप से काम करती रहेगी। इस दौरान हर हफ्ते 2 से 5 बेंच बैठेंगी। खास बात यह है कि खुद सीजेआई समेत सुप्रीम कोर्ट के पांच जज छुट्टियों में भी केसों की सुनवाई करेंगे, जबकि पहले ऐसा नहीं होता था। पहले केवल दो वैकेशन बेंच होती थीं और सीनियर जज छुट्टियों में कोर्ट नहीं आते थे। छुट्टियों में भी सीजेआईगवई भी कोर्ट आएंगे 26 मई से 1 जून तक सीजेआई गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ,जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस जेके माहेश्वरी मामलों की सुनवाई करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में महिला सैनिकों ने भी मोर्चा संभाला था

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मंच से भारतीय राजनयिक अनुपमा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आज भी जिहादी आतंकवाद का केंद्र बना है। पाकिस्तान आतंकवाद को जन्म देता है और पालता है। वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित के रूप में दिखावा नहीं कर सकता। आतंकी हमलों के प्रायोजक और आयोजक सीधे पाकिस्तान की धरती से काम करते हैं। पाकिस्तान डब्ल्यूएचओ जैसे वैश्विक मंचों का इस्तेमाल झूठ और विक्टिम कार्ड खेलने के लिए करता है।

ईडी बोली- सोनिया-राहुल के खिलाफ केस बनता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में चौथी सुनवाई हुई। ईडी ने कोर्ट को बताया कि, पहली नजर में सोनिया और राहुल के खिलाफ केस बनता है। दोनों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए कमाए हैं।

ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त नहीं कर ली।

ईडी की तरफ से दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि, इस मामले में 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई होगी।

नेशनल हेराल्ड केस 2012 से चल रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत की थी।

नेवी में नया शिप शामिल, नाम- आईएनएवी कौंडिन्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिलकर बनाया गया शिप इंडियन नेवल सेलिंग वेसल कौंडिन्य आज इंडियन नेवी के जहाजी बेड़े में शामिल हो गया। कारवाड़ नेवल बेस पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हुए। इसका नाम भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है। उन्होंने हिंद महासागर को पार करके साउथ-ईस्ट एशिया की यात्रा की थी। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि साल के अंत में यह गुजरात से ओमान तक के पारंपरिक ट्रेड रूट पर ट्रांस-ओशनिक यात्रा करेगा। आधुनिक वेसल (पोत) से

अलग इस सिले हुए जहाज में चौकोर पाल और स्टीयरिंग बोर्ड लगा है। स्टीयरिंग बोर्ड का उपयोग पतवार के आविष्कार से पहले जहाज को कंट्रोल करने के लिए किया जाता था। इसके अलावा शिप के पाल पर गंधभेरुंड (दैवीय पक्षी) और सूर्य की आकृतियां हैं। उसके बो पर नक्काशीदार शेर और डेक पर हड़प्पा शैली का पत्थर का लंगर लगाया गया है।

जस्टिस वर्मा कैश कांड- एफआईआर की मांग वाली याचिका खारिज

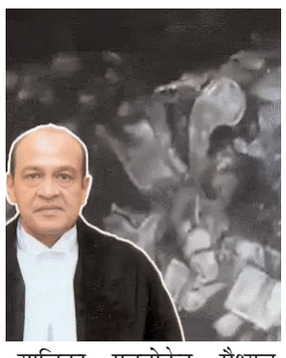

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश मामले में घिरे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआरकी मांग वाली याचिका बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि, ये मामला प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पास है। आप पहले जाकर उनसे गुहार लगाएं। फिर हमारे पास आएं। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सीजेआई की मांग वाली

याचिका एडवोकेट मैथ्यूज नेडुमपारा ने लगाई थी। दरअसल, जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी है। सुप्रीम कोर्ट की प्रेस रिलीज के मुताबिक, 3 मई 2025 को तैयार की गई इस रिपोर्ट के साथ जस्टिस वर्मा का 6 मई का जवाब भी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजा गया है।

ऑपरेशन सिंदूर-पहला डेलिगेशन विदेश रवाना, दूसरा रात 9 बजे जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेडीयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व वाला डेलिगेशन दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना हुआ। ये जापान, इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर का दौरा करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद और पाकिस्तान का असल चेहरा दुनिया को बताने के लिए देश के 59 सांसदों को 33 देश भेजा जा रहा है। 59 सांसद 7 सर्वदलीय टीमों (डेलिगेशन) में बंटे हैं। आज दो डेलिगेशन रवाना होंगे, जिनमें कुल 17 सांसद हैं। छ्ठ्ठ सांसद संजय झा की अगुआई वाला पहला डेलिगेशन विदेश रवाना हो गया है, जबकि शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाला डेलिगेशन रात 9 बजे जाएगा। 7 टीमों के साथ 8 पूर्व राजनयिक भी रहेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को सांसदों को इस पहल के बारे में ब्रीफिंग दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ऑपरेशन सिंदूर का बैकग्राउंड और डिप्लोमैटिक एवं सैन्य कार्रवाई के पांच बड़े संदेश इन 33 देशों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस = इसमें बताएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकी गुटों और उनके ढांचों के खिलाफ था।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अग्रिम जमानत दी। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने पूजा को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पूजा ने कौन सा बड़ा अपराध कर दिया। वह कोई ड्रग माफिया या आतंकवादी नहीं है। उन पर हत्या (धारा 302) का आरोप नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा- आपके पास कोई सिस्टम या सॉफ्टवेयर होना चाहिए, जिससे इस तरह की जांच समय पर हो। उसने सब कुछ खो

दिया है, अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले ही जमानत देनी चाहिए थी। दिल्ली पुलिस के वकील ने जमानत का विरोध किया। कहा कि पूजा जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। पूजा खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगता कोटे से आरक्षण लेने के लिए धोखाधड़ी करने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश पलट दिया सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर 2024 का आदेश पलट दिया था। पूजा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी हैं जो ट्रायल शुरू होने पर पूजा के खिलाफ प्रयोग हो सकते हैं। इस पर बेंच ने यूपीएससी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में 27 नक्सलियों का एनकाउंटर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में ष्ठक्रत्र (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान शहीद हो गया है। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर मुठभेड़ चल रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन

का महासचिव बसवा राजू मौजूद है। इसी आधार पर फोर्स को रवाना किया गया था। अबूझमाड़ के बोटेर पहुंचते ही जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग कर दी।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि, राहुल-मोदी-खड़गे ने श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज 34वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दिल्ली के वीर भूमि पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने एक्स पर पापा राजीव गांधी के साथ बचपन की फोटो शेयर की। लिखा- पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। मोदी ने कहा- मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा- राजीव गांधी जी भारत के एक महान सपूत थे, जिन्होंने करोड़ों भारतीयों में नई उम्मीद जगाई।

मल्लिकार्जुन खड़गे- राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच और

साहसी फैसलों ने भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार किया। उनके अहम कामों में 18 साल की उम्र में वोट देने का अधिकार देना, पंचायती राज को मज़बूत करना, टेलिकॉम और आईटी क्रांति की शुरुआत करना, कंप्यूटराइजेशन को बढ़ावा देना, शांति समझौते करवाना, टीकाकरण प्रोग्राम शुरू करना और सबको साथ लेकर चलने वाली नई शिक्षा नीति लाना शामिल हैं।

ममता बनर्जी- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद करती हूं। राजीव जी एक दूरदर्शी नेता और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सच्चे शहीद थे।

तेजस्वी यादव- देश की प्रगति, उन्नति, एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि और नमन।

वफ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार दूसरे दिन सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो वक्फ बाय यूजर के आधार पर ही क्यों न हो। एसजी मेहता के मुताबिक अगर कोई जमीन सरकारी है तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वह उसे वापस ले ले, भले ही उसे वक्फ घोषित कर दिया गया हो। किसी भी प्रभावित पक्ष ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया।

किसी ने भी ये नहीं कहा कि संसद के पास इस कानून को पारित करने का अधिकार नहीं है। वक्फ कानून के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच सुनवाई कर रही है। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल पैरवी कर रहे हैं। मेहता ने कहा था, सुनवाई उन तीन मुद्दों पर हो, जिन पर जवाब दाखिल किए हैं। नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट

सिर्फ 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई कर रहा है। इसमें सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जहां मंत्रालय ने एक बिल बनाया और बिना सोच-विचार के वोटिंग कर दी गई हो। कुछ याचिकाकर्ता पूरे मुस्लिम समुदाय की ओर से नहीं बोल सकते। आपके पास जो याचिकाएं आई हैं, वे ऐसे लोगों ने दायर की हैं जो सीधे इस कानून से प्रभावित नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा कि किसी ने यह नहीं कहा कि संसद को यह कानून बनाने का अधिकार नहीं था। संयुक्त संसदीय समिति की 96 बैठकें हुईं और हमें 97 लाख लोगों से सुझाव मिले, जिस पर बहुत सोच-समझकर काम किया गया।

सुनील छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम मौजूदा समय में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालिफायर्स की तैयारी कर रही है, उनको हाल ही में एक खास मेहमान का साथ मिला। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के अपने फैसले को वापस लिया, छेत्री ने ब्लू टाइग्रेसेस के हौसले को बढ़ाने के लि एक जोशीला भाषण दिया। अपने 41 साल के अनुभव को शेयर करते हुए छेत्री ने खिलाड़ियों को समय के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि, कल मैं 18 साल का था और आज में 41 साल का हूं। आपको कोच (क्रिस्पिन छेत्री) और मैं एक समय एक ही टीम में खेलते थे।स मैं ये इसलिए कह रहा हूं ताकि आप समझ सकें कि समय कितनी तेजी से बीतता है। अगर आप वाकई कुछ हासिल करना चाहते हैं तो छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखें। एक रात 10 बजे सोने और 10.45 बजे सोने में ज्यादा फर्क नहीं पड़ता लेकिन इसे एक साल तक करें, फिर देखें क्या बदलाव आता है। एक दिन समोसा खाने से ज्यादा नुकसान नहीं होता लेकिन एक साल तक इसे छोड़ दें तो आप देखेंगी कि आप कहां पहुंचती हैं। साथ ही छेत्री ने युवा खिलाड़ियों से अपनी जवानी को बर्बाद न करने की अपील की है।

कोलकाता में नहीं होगा आईपीएल 2025 फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 प्लेऑफ के वेन्यू का ऐलान हो गया है। बीसीसीआई ने फाइनल को शिफ्ट कर दिया है जिसके बाद अब खिताबी मुकाबला कोलकाता में नहीं बल्कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। अहमदाबाद ने 2022 और 2023 में भी आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट हो गए हैं। ये दोनों मुकाबले मुल्लांपुर के मैदान में आयोजित होंगे जो पहले हैदराबाद में खेले जाने थे। बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल होगा। ये मैदान 1 जून को क्वालीफायर 2 की भी मेजबानी करेगा। वहीं मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर 1 और 30मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले, आईपीएल फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था। ईडन गार्डन्स में क्वालिफायर 2 भी आयोजित होना था। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने थे। बीसीसीआई ने बयान में कहा कि, आईपीएल संचालन परिषद ने मौसम की परिस्थितियों और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए प्लेऑफ के नए वेन्यू पर फैसला किया है। बोर्ड ने ये भी पुष्टि की है कि प्लेऑफ चरण के समान लीग चरण के बाकी मुकाबलों के खेलने की परिस्थितियों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय आवंटित किया गया है।

रोहित शर्मा के इस प्रस्ताव को बीसीसीआई ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने अचानक टेस्ट से संन्यास क्यों लिया? हर कोई इसी सवाल का जवाब ढूंढ रहा है? रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा से दो टूक कह दिया था कि अब टेस्ट टीम में उनकी कोई भूमिका नहीं दिख रही। अब एक नई न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहित शर्मा इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे। उन्होंने एमएस धोनी की तरह रिटायरमेंट का प्रस्ताव रखा था लेकिन बीसीसीआई ने उसे खारिज कर दिया। उसी के बाद हिटमैन को मजबूरन टेस्ट से संन्यास का ऐलान करना पड़ा। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा अगले महीनें इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे जहां भारत को अंग्रोजों के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। रिपोर्ट में भारतीय क्रिकेट से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बीच में टेस्ट से संन्यास लेना चाहते थे। एमएस धोनी ने 2014 में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर ही सीरीज के बीच में टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान किया था।

हालांकि, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के धोनी जैसे रिटायरमेंट के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि, चयनकर्ता सीरीज के दौरान निरतंरता चाहते थे। उन्होंने रोहित शर्मा से कहा कि उन्हें इंग्लैंड दौरे पर बतौर खिलाड़ी तो भेजा जा सकता है लेकिन कप्तान के तौर पर नहीं। इसी के बाद रोहित शर्मा ने टेस्ट से संन्यास का ऐलान कर दिया।

मुंबई और दिल्ली मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस ने इन खिलाड़ियों को किया शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में जगह बनाने की दावेदार है। अपने लीग स्टेज के बचे हुए 2 मैचों से पहले उन्होंने अपने 3 खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया। टीम में शामिल विल जैक्स, रियान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश लीग स्टेज के आखिरी मैच के बाद अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण स्वदेश लौट जाएंगे। जिसके बाद एमआई ने इन खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट के रूप में इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और श्रीलंका के चरिथ असलंका को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन को रयान रिकेल्टन की जगह 1 करोड़ रुपये की कीमत पर शामिल किया गया है। चरिथ असलंका को 75 लाख रुपये की कीमत पर स्क्वाड में शामिल किया गाय है, वे कॉर्बिन बॉश की जगह टीम में चुने गए हैं। जैक्स की जगह इंग्लिश विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को टीम में शामिल किया गया है जिनकी कीमत 5.25 करोड़ रुपये है। अगर मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर लेगी तो ये तीनों खिलाड़ी प्लेऑफ चरण से टीम का हिस्सा होंगे।

प्लेऑफ के लिए मुंबई इंडियंस का स्क्वॉड

बेवोन जैकब्स, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, चरिथ असलंका, हार्दिक पंड्या, मिशेल सेंटनर, नमन धीर, रिचर्ड ग्लीसन, रोबिन मिंज, जॉनी बेयरस्टो, कृष्णन श्रीजिथ, अल्लाह गजनफर, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, कर्ण शर्मा, लिजाद विलियम्स, मुजीब उर रहमान, रघु शर्मा, रीस टोप्ले, सत्यनारायण राजू, ट्रेंट बोल्ट, विग्नेश पुथुर।

वैभव सूर्यवंशी ने छुए एमएस धोनी के पैर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का सफर समाप्त हो गया है। टीम ने अपने आखिरी मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को करारी शिकस्त दे दी है। इस मैच में भी टीम की तरफ से बल्लेबाजी में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार पारी खेली है। वैभव ने मैदान पर अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ अपने व्यवहार और बड़ों को सम्मान के लिए भी सभी की प्रशंसा पाई। चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी के पैर छुए। आईपीएल 2025 के सबसे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी मैच समाप्त होने के बाद जैसे ही टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी के सामने आए तो वे अपने आप को रोक नहीं पो और उनसे मिलते ही नीचे झुककर उन्हें प्रमाण करने लगे। इसे देखकर धोनी हैरान रह गए और बाद में उन्होंने वैभव को खुशी खुशी देखा और उठाया। ये पल बेहद खास था और इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। आईपीएल 2025 के 62वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हराया। चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 187 रन बनाए। चेन्नई की ओर से आयुष म्हात्रे ने 43 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 42 रन बनाए। राजस्थान के लिए आकाश और युद्धवीर ने 3-3 विकेट झटके।

शिखर धवन ने गुरुग्राम में खरीदा आलीशान फ्लैट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट किया है। उन्होंने गुरुग्राम में करोड़ों रुपये का फ्लैट खरीदा है। रियल एस्टेट डाटा एनालिटिक कंपनी सीआरई मैट्रिक्स के मुताबिक धवन ने गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड पर 6.040 स्क्वायर फीट का आलीशान अपार्टमेंट खरीदा है। बताया जा रहा है कि इस फ्लैट की कीमत 65.61 करोड़ है वहीं 3.28 करोड़ रुपये की स्टैम्प ड्यूटी जुड़ने से इसकी 68.89 करोड़ रुपये हो गई है।

धवन ने ये प्रॉपर्टी डीएलएफ के द डाहलियस में ली है, जो गुरुग्राम के सेक्टर 54 में स्थित है। जारी हुई डॉक्टूमेंट के अनुसार ट्रांजेक्शन 4 फरवरी, 2025 को की गई थी। इस आलीशान अपार्टमेंट के साथ उन्हें 5 गाड़ियों को पार्क करने की सुविधा मिली है। ऑफिशियल डॉक्यूमेंट अनुसार भारतीय क्रिकेटर ने ये आपर्टमेंट 1.08 लाख रुपये प्रति स्कावयर फीट के रेट से खरीदा है। डीएलएफ कह चुका है कि उसने अपने द डाहलियस प्रोजेक्ट में अब तक 173 अल्ट्रा लग्जरी अपार्टमेंट बेच दिए हैं। बता दें कि, पिछले साल अगस्त में शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मट को अलविदा कह दिया था। वो अब आईपीएल से भी संन्यास ले चुके हैं। पिछले दिनों उन्हें अपनी गर्लफ्रेंड के साथ सोफी शाइन के साथ कई बार देखा जा चुका है। दोनों लव बर्ड्स इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शिखर धवन ने साल 2015 में करीब 7.5 लाख यूएस डॉलर्स की भारी कीमत से ऑस्ट्रेलिया में घर खरीदा था। वहीं दिल्ली में भी उनका आलीशान घर है जिसकी कीमत करीब 5 करोड़ रुपये तक बताई जाती है।

आरसीबी और एसआरएच का मैच हुआ शिफ्ट, मुल्लांपुर में खेला जाएगा प्लेऑफ-एलिमिनिटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 प्लेऑफ के शेड्यूल की घोषणा कर दी। रोमांच से भरपूर 70 एक्शन पैक लीग- स्टेज मैचों के बाद प्लेऑफ के मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। यहां 29 और 30 मई को क्वालीफायर-1 सहित एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा।

अहमदाबाद के क्वालीफायर-2 और फाइनल खेला जाएगा। बता दें कि, पंजाब किंग्स आरसीबी और गुजरात टाइटंस पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच अंतिम स्थान के लिए जंग होगी। बुधवार को इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला खेला जाएगा। अगर दिल्ली को मुंबई के हाथों शिकस्त मिलती है तो वह प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। बता दें कि, टूर्नामेंट के एक सप्ताह के निलंबन से पहले हैदराबाद और कोलकाता को अंतिम चार मैचों की मेजबानी करनी थी। हालांकि, इसके बाद दोबारा जब शेड्यूल जारी किया गया तो वेन्यू में बदलाव किए गए। प्लेऑफ के लिए नए स्थानों का निर्णय आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा मौसम की स्थिति और अन्य मापदंडों को ध्यान में रखते हुए किया गया। साथ ही बारिश को देखते हुए मैच के लिए दो घंटे अतिरिक्त दिया गया है।

आईपीएल का 65वां मैच बेंगलुरु से लखनऊ शिफ्ट कर दिया गया है। इस मैच में आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने होंगे। बेंगलुरु में खराब मौसम की स्थिति के कारण लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में ये मैच खेला जाएगा। प्लेऑफ के समान, मंगलवार 20 मई से शुरू होने वाले लीग चरण के बचे हुए मैचों के लिए खेल की स्थिति के अनुसार एक अतिरिक्त घंटा दिया जाएगा।

गीता सामोता ने रचा इतिहास, माउंट एवरेस्ट चढ़ने वाली सीआईएसएफ की पहली कर्मचारी बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीआईएसएफ की सब इंस्पेक्टर गीता सामोता ने इतिहास रच दिया है। गीता ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़कर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 56 साल के इतिहास में पहली कर्मचारी बन गई हैं। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि गीता सामोता ने सोमवार को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत की चढ़ाई पूरी की। गीता दुनिया की शिखर पर खड़ी थीं और ये एक विजयी क्षण था। ये न केवल व्यक्तिगत जीत का प्रतीक था बल्कि सीआईएसएफ और राष्ट्र के तौर पर भारत के अविश्वसनीय जज्बे और मजबूती का भी प्रतीक था। गीता सामोता 2011 में सीआईएसएफ में शामिल हुई। वह वर्तमान में सीआईएसएफ की उदयपुर एयरपोर्ट यूनिट में तैना हैं। राजस्थान के सीकर जिले के चाक गांव की गीता शुरुआत में हॉकी खिलाड़ी थीं, लेकिन चोट लगने के कारण वह इस खेल से दूर हो गई।

प्रवक्ता ने कहा कि उस समय सीआईएसएफ के पास पर्वतारोहण टीम नहीं थी। गीता ने पर्वतारोहण में विशेष प्रशिक्षण लिया और 2019 में वह उत्तराखंड में माउंट सतोपंथ और नेपाल में माउंट लोबुचे पर चढ़ने वाली किसी भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की पहली महिला बनीं।

इसके साथ ही 2021 और 2022 के बीच गीता सामोता ने चार दुर्गम चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। इसमें ऑस्ट्रेलिया में माउंट कोसियसज़को, रूस में माउंट एल्ब्रस, तंजानिया में माउंट किलिमंजारो और अर्जेंटीमा में माउंट एकॉनकागुआ शामिल है।

दिग्वेश राठी की सजा पर शिखर धवन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। उन्होंने नोटबुक सेलिब्रेशन के दौरान अभिषेक को बाहर जाने का इशारा किाय था, जिसके बाद दोनों में जमकर बहस हुई। अंपायर को बीच-बचाव कराना पड़ा था। बीसीसीआई ने राठी को कड़ी सजा सजाई सुनाई है। उन्हें आईपीएल 2025 में एक मैच के लिए बैन कर दिया गया है। वह निलंबन के कारण एलएसजी के अगले मैच में नहीं खेलेंगे, जो 22 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होगा। राठी की सजा पर भारत के पूर्व धाकड़ सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

धवन ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेऑफ एक्स पर लिखा कि, कभी-कभी कठिन तरीके से सीखना ही एकमात्र तरीका होता है जिससे सबक याद रहता है। उम्मीद है कि एक ऐसा टर्निंग पॉइंट होगा जहां राठी उस आग को और अधिक रचनात्मक तरीके से इस्तेमाल करना सीखेंगे और मैदान पर हर खिलाड़ी का सम्मान करेंगे, जिसका वह हकदार है। धवन की पोस्ट पर क्रिकेट फैंस के जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया कि, खिलाड़ियों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अन्य ने कहा कि, दिग्वेश राठी का मैदान पर व्यवहार वाकई में उचित नहीं है। आईपीएल प्रेस रिलीज में कहा गया कि, लखनऊ सुपर जाएंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहित का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। ये इस सीजन में नियम 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल एक अपराध था और इसलिए उन्हें पहले के तीन डिमेरिट अंकों के अलावा दो और डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इसमें एक अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और चार अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक शामिल हैं। उनके पास सीजन में 5 डिमेरिट अंक हैं, जिसका परिणाम एक मैच का निलंबन होता है इसलिए दिग्वेश को अब एलएसएजी के अगले मैच से निलंबित किया जाएगा। वहीं आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन के लिए अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

विंध्य के सबसे बड़े अस्पताल एसजीएमएच में आये दिन मारपीट व डॉक्टरों की लापरवाही के सामने आ रहे केस

संजय गांधी अस्पताल में 24 घंटे में दो बड़े बवाल

जूनियर डॉक्टर पर अटेंडर को पीटने का आरोप, छात्र बोला- कमरे के अंदर बुलाया और बंद करके मारा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में पदस्थ जूनियर डॉक्टर पर मरीज के परिजन को मारने का आरोप है। कक्षा 12 के छात्र का आरोप है कि उसे कमरा बंद करके पीटा गया। मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन तथा अमहिया थाने में की गई है। 24 घंटे में यह दूसरी बार है, जब यहां पर हंगामा हुआ।

मामले के संबंध में जानकारी देते हुए अस्पताल में भर्ती मरीज की अटेंडर अर्चना पटेल ने बताया। उन्होंने कहा कि उनकी नानी श्याम पटेल किडनी की बीमारी से ग्रसित हैं। उन्हें मंगलवार को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार की दोपहर मरीज के परिजन उन्हें सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में शिफ्ट करना चाह रहे थे। जिसके लिए तमाम फॉर्मेलिटीज भी परिजनों द्वारा पूरी कर ली गई थी।

अर्चना सिंह और आदित्य सिंह ने बताया कि मौके पर मौजूद चिकित्सक डॉ आशुतोष सहित एक अन्य चिकित्सक ने मरीज के परिजन आदित्य सिंह पिता भूपेंद्र सिंह के साथ वाद-विवाद शुरू कर दिया। कुछ ही क्षणों में मामले ने इतना तूल पकड़ा कि डॉक्टर मरीज के परिजन को घसीटते हुए अपने केबिन ले गए और उसके साथ वहां जमकर मारपीट की।

मामले की जानकारी मिलते ही मरीज के अन्य परिजन और अस्पताल में मौजूद सुरक्षाकर्मी भी मौके पर पहुंचे और मामले को दबाने का प्रयास करने लगे। वहीं मरीज के परिजन इस बात पर अड़े रहे की मारपीट करने वाले चिकित्सकों पर प्रबंधन और पुलिस कार्यवाही करें।

एक दिन पहले ही हुआ था हंगामा: मंगलवार की देर रात भी संजय गांधी अस्पताल में उस वक्त हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई थी। जब उपचार के दौरान एक महिला की मौत हुई और उसके बाद मृतक के परिजनों ने संजय गांधी अस्पताल के चिकित्सकों पर लापरवाही पूर्वक उपचार करने के गंभीर आरोप लगाए और अर्धनग्न अवस्था में अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया। मंगलवार की देर रात अस्पताल में हुए इस हंगामे की आग अभी ठंडी भी नहीं हो पाई थी कि बुधवार की दोपहर एक बार फिर संजय गांधी अस्पताल में चिकित्सक और मरीज के परिजन आमने-सामने आ गए। उधर पूरे मामले में अधीक्षक राहुल मिश्रा का कहना है कि जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे, अभी मामला स्पष्ट नहीं है।

इलाज के दौरान महिला की मौत, अस्पताल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुये कपड़े फाड़कर जमीन पर लेटा युवक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में मंगलवार रात जमकर हंगामा हो गया। एक महिला की उपचार के दौरान मौत के बाद परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया। कपड़े फाड़कर जमीन में लेटकर प्रदर्शन किया। देर रात तक चले हंगामे के बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत कराया। जहां घंटों बाद पुलिस ने समझाइश देकर किसी तरह स्थिति पर काबू पाया।

घटना के संबंध में मृतक शांति नामदेव के परिजन संजीव नामदेव ने बताया कि वो देवतालाब की नौढीया गांव के निवासी हैं। महिला को अचानक बुखार आने के कारण डॉक्टर वीरभान सिंह को दिखाया।

डॉक्टर वीरभान की सलाह पर वे मरीज को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल ले कर आए। जहां जूनियर चिकित्सकों ने कई प्रकार की जांच अस्पताल के बाहर से कराने का सुझाव दिया। कई तरह की दवाएं भी अस्पताल के बाहर से मंगवाई लेकिन इस बीच महिला ने इलाज के दौरान ही दम तोड़ दिया।

परिजनों का आरोप है कि महिला की हालत इतनी अधिक गंभीर नहीं थी। लेकिन डॉक्टर ने ऐसा इलाज किया कि महिला मरणासन्न स्थिति में पहुंचते ही देर रात दम तोड़ गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि कोई भी सीनियर डॉक्टर इलाज करने नहीं आया। जूनियर चिकित्सकों के भरोसे इलाज छोड़ा गया लेकिन उन्होंने मरीज को मौत के मुहाने में पहुंचा दिया।

वहीं संजय गांधी अस्पताल के सीएमओ और प्रवक्ता डॉक्टर यत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि महिला के परिजनों के द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। इलाज में किसी भी तरह की कोई कोर कसर नहीं बरती गई है। डॉक्टर्स ने लगातार इलाज किया लेके हालत ज्यादा गंभीर होने की वजह से महिला ने दम तोड़ दिया।

सतना में खड़े ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, एक युवक घायल

एयरबैग खुलने से बची चार लोगों की जान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में रेलवे स्टेशन परिसर के माल गोदाम के पास बुधवार की दोपहर खड़े ट्रक से स्कॉर्पियो कार टकरा गई। घटना में कार सवार एक युवक घायल हुआ है, जबकि तीन अन्य लोग सुरक्षित है। घायल युवक का नाम निखिल माथुर (19) के रूप में हुई है। घायल ने बताया कि सभी लोग स्कॉर्पियो कार में सवार होकर राजेंद्र नगर से रेलवे कॉलोनी होते हुए स्टेशन परिसर पहुंचे। यहां से निकलकर उन्हें रीवा रोड की ओर जाना था। जैसे ही कार माल गोदाम के पास पहुंची तभी मोड़ने के दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। घटना में स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई जबकि चालक भी घायल हो गया।

जिस प्रकार से स्कॉर्पियो कार क्षतिग्रस्त हुई है उसे देखकर दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि, हादसे के समय कार के एयरबैग खुल गए, जिससे सभी युवक सुरक्षित बच गए। अगर एयरबैग नहीं खुलते, तो हादसा गंभीर हो सकता था।

सतना में तेज हवा और बारिश से बिजली गुल, पेड़ गिरने से लाइनें टूटीं

बिरसिंहपुर-कोटर में 35 मिनट मूसलाधार बारिश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में बुधवार दोपहर करीब 3 बजे मौसम ने करवट ली। बिरसिंहपुर और कोटर क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ 35 मिनट तक मूसलाधार बारिश हुई। इससे तापमान में मामूली गिरावट आई।

तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं। इससे बिजली की तारें क्षतिग्रस्त हो गईं। अबेर, रजवार, कोटर, तिहाई, लखनवाह और बिरसिंहपुर इलाके में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बिजली कंपनी की मेंटिनेंस टीम लाइन की मरम्मत में जुटी है।

जिले के अन्य क्षेत्रों में तेज धूप के बीच आसमान में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन भी ऐसी ही स्थिति बने रहने का पूर्वानुमान जताया है।

किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। बारिश के बाद धूप निकलने से वातावरण में उमस बढ़ गई।

बगीचे में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, परिजनों को हत्या का शक

मऊगंज के बमुरिहा गांव की घटना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के बमुरिहा गांव में 26 वर्षीय कमलेश उर्फ पुष्पराज कुशवाहा का शव घर से 500 मीटर दूर बगीचे में एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। परिजनों ने हत्या का शक जताया है।

घटना 20 मई की रात की है। बुधवार सुबह पड़ोसी सोनू ने शव को देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण इकट्?ठा हुए और पुलिस को खबर की। मऊगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई शुरू की।

कमलेश नई गढ़ी थाना क्षेत्र के कबरा गांव का रहने वाला था। बचपन में ही उसकी मां ने उसे छोड़ दिया था। पिता रामस्वरूप कुशवाहा ने दूसरी शादी कर ली, जिससे उनके चार बेटे और एक बेटी हुई। कमलेश को उसके नाना हरिवंश कुशवाहा बमुरिहा गांव ले आए और यहीं उसकी परवरिश हुई। नाना के निधन के बाद वह मामा जगन्नाथ कुशवाहा की देखरेख में रह रहा था।

घटना वाली रात कमलेश खाना खाकर बगीचे में सोने गया था। सुबह उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना के संबंध में प्रधान आरक्षक राजेंद्र सिंह ने बताया कि बमुरिहा गांव में एक 26 वर्षीय युवक का शव फांसी के फंदे में मिला है। परिजनों की सूचना पर पुलिस पहुंची है शव की पंचनामा कार्रवाई जारी है। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे उसके अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को दिए निर्देश

हर विकासखण्ड में एक लाख पौधे रोपित करने की करें तैयारी राजस्व अधिकारी रोस्टर के अनुसार अनिवार्य रूप से करें निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के सभी कार्यों की प्रशासकीय और तकनीकी स्वीकृति जारी कराकर कार्य प्रारंभ कराएं। हर ग्राम पंचायत में जल संरक्षण जागरूकता के लिए जल यात्रा निकालें। जिले के एक सबसे अधिक जल समस्याग्रस्त गांव का चयन कर उसमें जल संरक्षण के कार्य कराएं। जन भागीदारी से गांव को जल स्वाबलंबी बनाने के प्रयास करें। वर्षाकाल में वृक्षारोपण के लिए तैयारियाँ अभी से शुरू कर दें। प्रत्येक विकासखण्ड में एक लाख पौधे रोपित करने के लिए अभी से तैयारी करें। बारिश के बाद गड्ढे खोदने में कठिनाई होगी। कलेक्टर सहित सभी अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण करने के दौरान जल संरक्षण के कार्यों में भागीदारी निभाएं।

कमिश्नर ने कहा कि कलेक्टर सहित सभी अधिकारी शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार अधीनस्थ कार्यालयों और राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। सप्ताह में कम से कम एक दिन क्षेत्र का भ्रमण और रात्रि विश्राम भी करें। सीएम मानिट और मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्रों पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए सात दिवस में इनका प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों तथा समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित प्रकरणों का भी तत्परता से निराकरण करें। समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। उपार्जित गेंहू का 25 मई तक शत-प्रतिशत भण्डारण कराकर किसानों को 31 मई तक शत-प्रतिशत राशि का भुगतान कराएं। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही भी करें। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी लगभग 81 प्रतिशत हुई है। अभियान चलाकर अपात्र तथा विषमता परिवारों के हितग्राहियों के नाम पोर्टल से पृथक कराएं। साथ ही शेष हितग्राहियों की 28 मई तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी कराएं।

समग्र पोर्टल में ई केवाईसी की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इसके लिए ग्राम पंचायतवार शिविर लगाकर विशेष अभियान में 15 जून तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी कराएं।

कमिश्नर ने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सिंगरौली जिले में नामांतरण तथा बंटवारे के प्रकरणों के निराकरण में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। इसमें जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। राजस्व न्यायालय में दो साल से अधिक समय से लंबित सभी प्रकरणों तथा सीमाकंन के सभी प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। राजस्व प्रकरण तय समय सीमा में निराकृत न होने पर जुर्माने की कार्यवाही करें। राजस्व प्रकरणों के आपसी सुलह से निराकरण के लिए शीघ्र ही संवाद से समाधान अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत तहसीलदार लंबित प्रकरण लेकर मौके में जाएंगे। दोनों पक्षों से बातचीत करके गुण-दोष तथा वैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए प्रकरण का निराकरण करेंगे। यदि एक सुनवाई में प्रकरण निराकृत नहीं होता है तो अधिकतम तीन सुनवाई में इसका निराकरण किया जाएगा। जटिल प्रकरणों में एसडीएम और आवश्यकता होने पर कलेक्टर भी मौके पर जाकर सुनवाई करके प्रकरण निराकृत करेंगे। इस अभियान के संबंध में सभी राजस्व अधिकारी सात दिवस में सुझाव दे सकते हैं। बैठक में अपर कमिश्नर श्रीमती नीतू माथुर, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी उपस्थित रहीं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य राजस्व अधिकारी शामिल रहे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश के लिए पंजीयन एक जून तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज रीवा में प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस संबंध में पॉलिटेक्निक कालेज के प्राचार्य ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार 2025-26 के लिए प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है।

पॉलिटेक्नि कालेज में संचालित इलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड मेंटीनेंस, सिविल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए पात्र विद्यार्थी एक जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में च्वाइस फिलिंग 5 जून तक की जा सकती है। इसकी कॉमन मेरिट सूची 6 जून को तैयार होकर उपलब्ध होगी। इसमें शामिल विद्यार्थियों के कालेज में प्रवेश के लिए मूल दस्तावेजों का सत्यापन 10 जून से 15 जून के बीच किया जाएगा। पॉलिटेक्निक कालेज में प्रवेश के संबंध में अन्य जानकारियाँ और निर्देश वेबसाइट डीटीई डॉट एमपी ऑनलाइन डॉट जीओभी डॉट इन पर उपलब्ध है। कार्यालयीन समय में शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज से भी प्रवेश के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आरएसएस का विशेष कार्यकर्ता विकास वर्ग

सामाजिक समरसता बढ़ाने रीवा आयेंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत

पहली बार हो रहा है सर संघचालक का रीवा आगमन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संघ प्रमुख मोहन भागवत आज अपने तीन दिवसीय प्रवास के लिए रीवा आ रहे हैं जहां वह रीवा के सरस्वती स्कूल निराला नगर में चल रहे कार्यकर्ता विकाश वर्ग (विशेष) के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेंगे इस दौरान विशेष वर्ग के लिए लगे प्रशिक्षण शिविर में वह प्रशिक्षार्थियों से सामाजिक समरसता के भाव को जन जन तक पहुंचाने के लिए बौद्धिक चर्चा भी करेंगे। मगर संघ प्रमुख का रीवा आगमन केवल प्रशिक्षण शिविर की दृष्टि से देखना मात्र उचित नहीं होगा क्योंकि आज सबको पता है कि संघ यानी आरएसएस भले ही एक सामाजिक संगठन है परंतु यही आरएसएस बीजेपी यानी जनसंघ की जनक भी है तो ऐसे में मध्य प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख गढ़ विंध्य क्षेत्र में आरएसएस संघ के सर संघचालक का आगमन यहां पर संगठन को और ज्यादा मजबूती प्रदान करने का जरिया भी माना जा सकता है।

वर्गों में वर्चस्व की लड़ाई: इसके साथ ही बीते कई दिनों से विंध्य क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के प्रयास से यहां के हिंदू समुदाय में विघटन देखे गए हैं जिसके चलते कही ब्राह्मण तो कही क्षत्रिय वहीं दलित, आदिवासी सहित अन्य वर्ग अलग अलग हिस्सों में बंटे हैं जिसकी वजह से ऐसे वर्ग विघटन को एक करने की जिम्मेदारी का बोझ भी संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस प्रवास पर रहेगा।

सामाजिक समरसता बढ़ाने का दौरा: दरअसल बीते दिनों मऊगंज जिले में एक ऐसी घटना घटी जिसने मानवता को झकझोर दिया तथा घटना के बाद से ब्राह्मण और आदिवासी वर्ग में वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई तो वहीं अन्य समुदायों में भी आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर अपने अपने वर्चस्व का दिखावापन चलता ही रहता है ऐसे में सामाजिक सद्भाव को बनाने की दृष्टि से मोहन भागवत का यह दौरा अहम माना जाता है क्योंकि संघ और संघ की पद्धति से ही हिंदू समाज के साथ ही अन्य धर्मों के लोगों को भी एकजुट करने का काम किया जा सकता है। वहीं विंध्य क्षेत्र में भाजपा की जड़ों को मजबूत करना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य माना जा सकता है

आंकड़ों में बीजेपी को बढ़त दिलाता है आरएसएस: 2023 के विधानसभा चुनाव में भी चुरहट के पूर्व भाजपा विधायक के प्रति जनता का रोष न होता तो यहां से अब भी भाजपा को निष्काशित करना अजय सिंह राहुल के लिए टेढ़ी खीर ही मानी जाती। तो कुल मिलकर बात करें 2018 विधानसभा जहां से बीजेपी को कुल 30 विधानसभा सीटों में 24 पर जीत मिली थी और यही हाल 2023 की विधानसभा चुनाव में भी हुआ है। पिछले 20 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी ने नित नई उड़ान भरते हुए प्रत्येक विधानसभाओं के चुनाव में रीवा तथा विंध्य से बढ़त ही हासिल की है फिर चाहे हम 2003 के विधानसभा चुनाव की बात करें या फिर 2008, 2013, 2018 और 2023 की। 2018 के चुनाव में तो रीवा जिले ने कांग्रेस को क्लीन स्विप ही कर दिया था तो यह सब आंकड़े अकेले बीजेपी या भाजपा के किसी नेता के दम पर नहीं बने हैं इसके लिए आरएसएस का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। आपको बता दें आरएसएस एक सामाजिक संगठन के तौर पर जमीन में काम करती है जिसके कारण प्रत्येक गांव के गली मोहल्लों तक में आरएसएस के कार्यकर्ता अपने संगठन के प्रति ईमानदान से जुटे रहते हैं ऐसे में आरएसएस के सहयोगी दल भाजपा का विंध्य क्षेत्र में पैठ बनाना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सरकार्यवाह रहते हुए पूर्व में हो चुका है रीवा आगमन: बताया जा रहा है कि इससे पूर्व लगभग सन 2004 में भी मोहन भागवत का रीवा दौरा हुआ था तब सरस्वती स्कूल जेल मार्ग में संघ का प्रशिक्षण शिविर हुआ था और उसमें भी संघ के सर कार्यवाह के हैसियत से शामिल होकर उन्होंने विंध्य क्षेत्र में सामाजिक समरसता की अलख को जगाने का कार्य किया था। वहीं जानकारों की माने तो यह पहला मौका है जब संघ यानी आरएसएस का कोई मुखिया किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रीवा आ रहे हैं।

भाजपा को मजबूती देगा भागवत का प्रवास

बता दें विंध्य क्षेत्र विगत लम्बे अर्से से भाजपा का महत्वपूर्ण गढ़ रहा है विगत 2 विधानसभा और लोकसभा चुनाव की दृष्टि से देखा जाए यहां पर भाजपा का कब्जा लगभग शत प्रतिशत ही रहा है फिर चाहे वह रीवा के श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी की किला को भेदना हो वहीं सीधी के कद्दावर नेता अर्जुन सिंह और इंद्रजीत पटेल की राजनीतिक विरासत को समाप्त करना हो। आज भी रीवा की 8 विधानसभा सीटों में से 7 में बीजेपी के विधायक ही काबिज हैं तो वहीं सीधी से इंद्रजीत पटेल के उत्तराधिकारी उनके बेटे कमलेश्वर पटेल को हराकर वहां पर भी भाजपा का ही कब्जा बनाया गया है इसके अलावा बात की जाए विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े लीडर यानी कांग्रेस से मुख्यमंत्री रहे और मानव संसाधन विकास मंत्री रहे कुंवर अर्जुन सिंह की घरेलू चुनावी सीट चुरहट तो वहां भी 2018 के विधानसभा चुनाव में दिग्गज नेता अजय सिंह राहुल को भाजपा से करारी हार झेलनी पड़ी थी।

लोक सेवा केन्द्र रीवा का किया गया औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त कलेक्टर पी के पाण्डेय तथा जिला प्रबंधक लोक सेवा रविकान्त पाण्डेय द्वारा लोक सेवा केन्द्र रीवा ग्रामीण एवं शहरी का औचक निरीक्षण किया गया। संयुक्त कलेक्टर ने आवेदकों को प्रदाय की जाने वाली सेवाओं का जायजा लिया तथा लोक सेवा मे संधारित पंजी एंव सेवाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवेदकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं तथा पंजियों का संधारण व्यवस्थित पाया गया। संयुक्त कलेक्टर तथा जिला प्रबंधक ने लोक सेवा केन्द्र में आने वाले आवेदकों से बात कर लोक सेवा केन्द्र द्वारा दी जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। लोक सेवा केन्द्र प्रभारी सुशील कुमार सोनी द्वारा केन्द्र मे उपस्थित आवेदको को उनके आवेदन पत्र में संलग्न किये जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। साथ ही लोक सेवा केन्द्र में आने वाले आवेदकों से समग्र ई-केवाईसी के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। संयुक्त कलेक्टर ने नकल के प्रकरण के संबंध में नायब तहसीलदार मनोज शुक्ला को निर्देशित किया कि लोक सेवा केन्द्र से नकल के प्रकरणों का निराकरण समय सीमा मे करें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।